www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
4 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 94 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दो दिन की रणनीतिक बैठक करेगी कॉकरोच जनता पार्टी

कहा-राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे, दीपके बोले-स्कॉलरशिप के पैसों से अमेरिका गया था

मुंबई (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे। पार्टी ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएगी। बैठक के बाद सीजेपी देशभर में अपने युवाओं की जरूरतों को समझने के लिए लिसनिंग टूर करेगी। पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि उन्हें बोस्टन यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप मिली थी और बाकी पैसों के लिए लोन लिया था, जो अभी चुकाना बाकी है। इससे पहले, सूरत

के एक सीजेपी कार्यकर्ता ने उनके पिता की संपत्ति और फंड की जांच की मांग की थी। और सवाल उठाए थे कि दीपके के पास अमेरिका जाकर पढ़ाई करने के पैसे कहां से आए। **दीपके बोले-जंतर-मंतर पर घुसपैठिए घुसे-** अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शन में बाहरी लोगों ने घुसपैठ की थी, जिसके कारण 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि विरोध को बदनाम करने के लिए बाहर से लोग भेजे गए थे। इन लोगों की दिल्ली पुलिस के साथ मिलीभगत थी। दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी और पुलिस कार्रवाई कैसे हो सकती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या पुलिस केवल 12 साल की लड़कियों पर लाठी चलाने के लिए सक्रिय होती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस का यह कहना कि विरोध स्थल पर 2100 अपराधी देखे गए थे, यह अमित शाह और पुलिस की विफलता है। उन्होंने इसे पुलिस की सोची-समझी साजिश करार दिया।

स्टूडेंट्स की लीगल मदद के लिए फंड बनाया- कॉकरोच जनता पार्टी ने 27 जुलाई को पेपर लीक आंदोलन के बाद आपराधिक मामलों का सामना कर रहे छात्रों की कानूनी सहायता के लिए लीगल डिफेंस फंड बनाने की घोषणा की थी। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने इस फंड में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। उन्होंने देशभर के वकीलों से भी इस कोष में योगदान देने की अपील की थी। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा था कि केंद्र सरकार के आश्वासन के बावजूद देशभर में छात्रों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की आशंका है। उन्होंने यह भी बताया था कि इस मामले में सीजेपी सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के संपर्क में है। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कपिल सिब्बल भी मौजूद थे।

एक ही शिफ्ट में होगा पेपर, घर के पास सेंटर

● नीट पीजी, पेपर लीक से सबक, 7.5 करोड़ का टेंडर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी 2026 परीक्षा के लिए कई बड़े सुधारों की घोषणा की है। इसमें परीक्षार्थियों की यात्रा और परीक्षा में किसी भी प्रकार की धांधली रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। इस बार परीक्षा 30 अगस्त को होनी है। इसके लिए 2.73 लाख उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो पिछले साल की तुलना में 12.5 फीसदी ज्यादा है। परीक्षा देशभर के 340 शहरों के लगभग 1300 सेंटर्स पर होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक से सबक लेते हुए परीक्षा के पूरे इकोसिस्टम की सुरक्षा पुख्ता करना शुरू कर

दिया है। इसके लिए 7.5 करोड़ का टेंडर जारी किया है। इसमें एनटीए मुख्यालय समेत संवेदनशील जगहों पर 24 घंटे सिक्योरिटी दी जाएगी। यह टेंडर 25 जुलाई को जारी हुआ है। 17 अगस्त को बोलियां खोली जाएंगी। जो भी एजेंसी नियुक्त होगी, उसे दो साल काम मिलेगा। **फिंगर प्रिंट नहीं मिले तो आंखें स्कैन कर देंगे एंट्री-** आवेदन और एग्जाम के दिन 'आधार' आधारित वैरिफिकेशन होगा। बायोमीट्रिक जांच होगी। इसके लिए छात्रों को 2-3 घंटे पहले सेंटर पहुंचना होगा। फिंगरप्रिंट न मिलने पर आईरिस (आंखों की पुतली) स्कैन की जाएगी। 60,000 से ज्यादा कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी, सिग्नल जैमर और स्वतंत्र पर्यवेक्षक लाइव निगरानी करेंगे। परीक्षा के कुल 210 मिनट को अलग-अलग सेक्शन में बांटा है।

जहां भिड़े थे भारतीय-चीनी सैनिक अब वहां तक पहुंचेगी भारतीय रेल

● बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू

17 किमी लंबे नेटवर्क से कनेक्टिविटी को मिलेगा बड़ा बूस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इस कड़ी में उत्तर बंगाल क्षेत्र में चालसा के पास स्थित खुनिया मोड़ से जलढाका रेलवे प्रोजेक्ट के जरिए भारत-चीन-भूटान ट्राई-जंक्शन के पास बॉर्डर तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना बना रहा है। यह प्रोजेक्ट नॉर्थ बंगाल में 17 किलोमीटर का नया स्ट्रेटेजिक रेल लिंक है, जिसकी अनुमानित लागत 272 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस प्रोजेक्ट का मकसद डुआर्स इलाके में टूरिज्म को बढ़ावा देना है।

प्रोजेक्ट में खर्च होंगे 272 करोड़ रुपये - सिलीगुड़ी के डीएम राजू बिस्टा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि रेल मंत्रालय ने जलढाका तक 17 किमी की नई लाइन के लिए लगभग 272 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह रास्ता चालसा के पास खुनिया मोड़ से शुरू होगा और जलपाईगुड़ी और कलिम्पोंग फॉरेस्ट डिवीजन से होकर गुजरेगा। जलढाका नदी के रास्ते बनने वाली रेलवे लाइन बहुत अहम है।

जंतर-मंतर वाले प्रदर्शन में स्टूडेंट्स पर नहीं होगा केस

● सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार ने कर दिया बड़ा दावा

कहा-2700 अपराधियों पर कायम रहेगी एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि नीट पेपर लीक को लेकर विरोध करने वाले छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को कहा, 'सरकार अपने वादे पर कायम है। छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं होगी।' मेहता ने ये भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों को लेकर जिन 2700 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई हैं, इन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मसले पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनकी 3 मांगें थी, जो सरकार ने मान ली थीं। इनमें एक मांग यह भी थी कि सरकार विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी। मामले पर अब 18 अगस्त को सुनवाई होगी।

जिन जवानों ने सख्ती की, उन्हें न बचाएं- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है। वकील वृंदा ग्रोवर ने पूछा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी या रद्द की जाएंगी। इस पर मेहता ने कहा कि कानूनी तौर पर जो भी तरीका सही हो, सरकार अपने वादे पर कायम है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जवानों को बख्शा नहीं जाएगा।

विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका

● बिहार में नितिन नवीन की सीट पर भाजपा की हार ● एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात में बीजेपी जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की बांकीपुर सीट (पटना) पर बीजेपी को तगड़ा झटका लगा है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई सीट पर अब जन सुराज ने कब्जा कर लिया है। प्रशांत किशोर ने बीजेपी के गढ़ में नीरज कुमार सिन्हा को करारी शिकस्त दे डाली है। इस सीट पर लंबे समय से बीजेपी का वर्चस्व रहा था। लेकिन इस बार पीके के मैदान में उतरने के बाद से सारा पासा ही पलट गया।

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात के मंजलपुर में भाजपा जीत गई है। एमपी के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए।

वहीं गुजरात के मंजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

पहली ही परीक्षा में फेल हुए खंडेलवाल

एमपी में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल की पहली बड़ी चुनावी परीक्षा दतिया विधानसभा उपचुनाव मानी जा रही थी। इस चुनाव में भाजपा की हार के बाद संगठन की रणनीति, टिकट चयन और नेतृत्व पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि सरकार के बहुमत पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन राजनीतिक संदेश को लेकर यह परिणाम अहम माना जा रहा है। मध्य प्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने हेमंत खंडेलवाल के कार्यकाल में दतिया विधानसभा उपचुनाव पहला बड़ा प्रत्यक्ष चुनाव था। इस चुनाव को संगठन और सरकार, दोनों के लिए प्रतिष्ठा का मुकाबला माना जा रहा था। मतगणना के रुझानों और परिणामों में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह बढ़त बनाते हुए जीत की ओर बढ़े, जबकि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी पीछे रह गए। दतिया में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला चुनाव का सबसे बड़ा दांव साबित हुआ। चुनाव प्रचार के दौरान संगठन ने नाराज कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मनाने की कोशिश की थी।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में

बृजभूषण सिंह बरी

● बोले-होइहि सोइ जो राम रचि राखा, समर्थकों ने फूल बरसाए ● विनेश फोगाट बोलीं-मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी, हाईकोर्ट जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। सोमवार को फैसले के वक्त पूर्व सांसद बृजभूषण और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे। फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा। कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे।

यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था।

● **मामले में 127 सुनवाई हुईं, 32 गवाहों के बयान दर्ज हुए-** 2 जुलाई, 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में कुल 1133 दिनों में 127 सुनवाई हुईं। 32 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। बृजभूषण 20 जुलाई, 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई, 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था। कोर्ट से बरी का मतलब है कि कोर्ट में अभियुक्त के खिलाफ आरोप साबित नहीं पाए, इसलिए उसे सजा नहीं दी गई। इसका यह मतलब नहीं होता कि वह दोषमुक्त हो गया है। पीड़ित महिला पहलवान इस मामले में हाईकोर्ट में अपील कर सकती हैं। इसके लिए 60 दिन के अंदर उन्हें हाईकोर्ट से विशेष अनुमति लेनी होती है। अनुमति मिलने पर वे याचिका दायर कर सकती हैं। सामान्य रूप से आवेदन और याचिका एकसाथ दायर कर दी जाती हैं।

● **फैसले के बाद बृजभूषण बोले- कभी खुद को दोषी नहीं माना-** फैसले के बाद बृजभूषण जब अपने आवास पहुंचे तो समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। मीडिया के सवालों पर उन्होंने कहा- मैंने कभी खुद को दोषी नहीं माना। हम जूनियर खिलाड़ियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे। संघर्ष से हमेशा निखार ही आता है। इस केस से यह बात साबित हो गई है।

सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में भक्तों का रेला

● हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे देश के शिवालय ● हरिद्वार में पहले सावन सोमवार पर 1 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के हरिद्वार में कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से सावन के पहले सोमवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1 करोड़ कांवड़िए पहुंच चुके थे। मध्य प्रदेश के उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब तक 1.10 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, झारखंड के देवघर के बैद्यनाथ मंदिर में भक्तों की 5 किमी लंबी लाइन लगी रही। उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में अब तक 2 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके हैं। कांवड़ियों और भक्तों की 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। जलाभिषेक के लिए भक्तों को केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ में भीड़ रही।

अलवर में पांडवों का लाया शिवलिंग, इसे औरंगजेब भी नहीं तोड़ पाया

मान्यता है कि इस मंदिर के शिवलिंग की स्थापना पांडवों ने द्वापर युग में की थी। काशी से शिवलिंग लाकर इस मंदिर में स्थापित किया गया था। तभी से मंदिर में शिवलिंग की पूजा होती है। पांडवों के समय से ही मंदिर में अखंड ज्योत जलती है। सावन के पहले सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। मंदिर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। मंदिर के दरवाजे खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करने से पहले मंगला आरती में हिस्सा लिया। वाराणसी डिवीजन के डिवीजनल कमिश्नर और मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं।

पंजाब चुनाव से पहले बीजेपी ने कर दिया नई टीम का ऐलान

● कांग्रेस-आप और अकाली दल से आए नेताओं को अहम जिम्मेदारियां

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को तेज करते हुए बीजेपी ने पनी नई प्रदेश संगठनात्मक टीम की घोषणा कर दी। प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने नई कार्यकारिणी का ऐलान किया। इस कार्यकारिणी में 12 उपाध्यक्ष, पांच महासचिव और 12 सचिव नियुक्त किए गए हैं। खास बात यह रही कि कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी छोड़कर हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए कई नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नई टीम में बनाए गए 12 प्रदेश उपाध्यक्षों में से 6 ऐसे नेता हैं जो पहले अन्य राजनीतिक दलों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुके हैं। इनमें कांग्रेस के पूर्व विधायक अश्वनी सेखरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव तेजिंदर सिंह बिट्टू, पूर्व सांसद सुशील रिंकू, कांग्रेस के पूर्व

पदाधिकारी गेज्जा राम वाल्मीकि, शिरोमणि अकाली दल के पूर्व नेता रवि करण सिंह काहलों और रंजीत सिंह गिल शामिल हैं। सुशील रिंकू 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। इसके अलावा बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं को भी स्थान मिला है।

ईरान में भारत के अगले राजदूत होंगे विश्वेश नेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे लगातार संकट के बीच विश्वेश नेगी को ईरान में भारत के अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विश्वेश नेगी वर्तमान में विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव के रूप में सेवा दे रहे थे। विश्वेश नेगी 2002 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं। यह नियुक्ति पश्चिम एशिया के साथ भारत के राजनयिक संबंधों को मजबूत करने पर सरकार के लगातार ध्यान को दर्शाती है; यह क्षेत्र रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में संकट की स्थिति बनी हुई है। इंडियन फॉरेन सर्विस 2002 बैच के सीनियर अधिकारी विश्वेश नेगी अपनी नई भूमिका में डिप्लोमैटिक और एडमिनिस्ट्रेटिव का लंबा अनुभव लेकर आए हैं। विदेश मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी के तौर पर, उन्होंने विदेश नीति से जुड़े अहम मामलों और द्विपक्षीय संबंधों को संभालने में कई बार अहम भूमिका निभाई है। विश्वेश नेगी 2022 में भारत सरकार के रक्षा विभाग में पदस्थ थे।

उत्तराखण्ड : आध्यात्मिक राजधानी की दिशा में बढ़े कदम

चारधाम के साथ ही अन्य मंदिरों में भी भक्तों की संख्या बढ़ी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। प्रदेश में चारधाम के साथ ही अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों में दर्शन को उमड़ रही भक्तों की लगातार बढ़ती संख्या इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस वर्ष की पहली छमाही में ही जागेश्वर धाम (अल्मोड़ा) और त्रियुगीनारायण (रुद्रप्रयाग) मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या ढाई गुना बढ़ी है। जबकि पूर्णागिरी धाम (चंपावत) में लगभग डेढ़ गुना और धारी देवी (श्रीनगर) में करीब दोगुना बढ़ोत्तरी हुई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी विजन के अनुरूप हम उत्तराखण्ड को दुनिया की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस संकल्प को साकार करने के लिए राज्य के प्रमुख और प्राचीन मंदिरों के विकास किया जा रहा है। तीर्थस्थलों में बुनियादी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया है। इसके लिए प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों को पर्यटन सर्किट से जोड़ने, केदारखंड की तर्ज पर मानसखण्ड मंदिरमाला मिशन के तहत कुमाऊं के प्रमुख पौराणिक मंदिरों का विकास, तीर्थस्थलों में बुनियादी सुविधाएं, सड़कों का विकास एवं परिवहन सेवाओं के विस्तार के लिए लगातार काम किया जा रहा है। धामी सरकार की दूरदर्शिता और मजबूत प्रयासों का ही परिणाम है कि चारधाम यात्रा के साथ ही प्रदेश के अन्य प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों में भी श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। चारधाम यात्रा नया रिकॉर्ड बना रही है। इस वर्ष 105 दिनों में 45 लाख 84 हजार 375 श्रद्धालु चारधाम दर्शन कर चुके हैं। उत्तराखण्ड पर्यटन विभाग के इस वर्ष की पहली छमाही (जनवरी 26 से जून 26) रिपोर्ट के आकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो जागेश्वर (अल्मोड़ा) में 01 लाख 74 हजार 119 श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे हैं, जबकि बीते वर्ष 2025 में इस अवधि में यह संख्या 67 हजार 875 थी। पूर्णागिरि धाम में इस वर्ष जून तक 20,91,788 श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि बीते वर्ष इसी अवधि में 14,35,290 यात्रियों ने दर्शन किए थे। इसी प्रकार धारी देवी में दर्शनार्थियों की संख्या 5,42,626 रही है, जबकि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 2,83,275 था। रुद्रप्रयाग जनपद में स्थित त्रियुगीनारायण में भी श्रद्धालुओं की संख्या में खासी बढ़ोत्तरी हुई है। इस वर्ष पहली छमाही में यहां 03,40,385 श्रद्धालु पहुंचे हैं जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में भक्तों की संख्या 01,36,120 थी। टिहरी जिले का ऋषिकेश से सटा मुनिकीरेती, तपोवन और शिवपुरी क्षेत्र पर्यटकों के आकर्षण का खास केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष जनवरी से जून तक 15,97,439 सैलानी यहां आ चुके हैं, जबकि बीते वर्ष यह आंकड़ा 13,62,600 था। इसी प्रकार रुद्रप्रयाग जनपद में स्थित कार्तिक स्वामी मंदिर, टिहरी जिले में सुरकंडा देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है।

यमुनोत्री में टूटा पुराना रिकॉर्ड

उत्तरकाशी जनपद में स्थित यमुनोत्री धाम की यात्रा कठिन होने के बावजूद यहां इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है। इस यात्राकाल में दो अगस्त तक 06 लाख 54 हजार 958 यात्री माँ यमुना जी के दर्शन कर चुके हैं। धाम के इतिहास में यह अब तक की सर्वाधिक संख्या है। इससे पूर्व 2025 में 06 लाख 44 हजार 637, 2024 में 05 लाख 15 हजार 067, 2023 में 05 लाख 60 हजार 918, 2022 में 06 लाख 21 हजार 504, 2021 में 33 हजार 331 तीर्थयात्री यहां पहुंचे हैं।

बद्रीनाथ यात्रा बनाएगी कीर्तिमान

बद्रीनाथ यात्रा विगत 31 जुलाई को 100 दिन पूर्ण कर चुकी है। इस अवधि में 15 लाख 52 हजार 021 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। जबकि बीते वर्ष इसी अवधि में 12 लाख 40 हजार 408 यात्रियों ने दर्शन किए थे। इस प्रकार बीते वर्ष के मुकाबले दर्शनार्थियों की संख्या 03 लाख 11 हजार 613 अधिक रही है।

आदि कैलाश यात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि

पिथौरागढ़ जनपद में स्थित श्री आदि कैलाश धाम में भी दर्शनार्थियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। दो माह में ही 52,441 श्रद्धालु भोले के दरबार में शीश नवा चुके हैं। फिलहाल मानसून के चलते एक जुलाई से यात्रा को विराम दिया गया है। बता दें कि वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के बाद आदि कैलाश दर्शनार्थियों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 से पहले यहां आने वाले यात्रियों की संख्या 2000 से भी कम थी। वर्ष 2023 से भक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2023 में 10025, 2024 में 29352 और 2025 में 36526 यात्री आदि कैलाश दर्शन को पहुंचे हैं।

एक नजर

गंगोत्री हाईवे पर जायका परियोजना का निर्माण अधूरा

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर मल्ला के समीप जापान अंतर राष्ट्रीय को–ऑपरेशन एजेंसी (जायका) के तहत पहाड़ी व नाले पर हो रहे वन संसाधन प्रबंधन परियोजना का मरम्मतीकरण का कार्य निर्माण पूरा होने से पहले ही टूटने लगा है। पहाड़ी के शीर्ष से हाईवे तक जगह–जगह भू–क्षरण होने के कारण क्षतिग्रस्त हो रहा है। इससे कार्यदायी संस्था की जापानी तकनीक पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब डेढ़ वर्ष से यह कार्य पूरा नहीं हो पाया है। टकनौर क्षेत्र में मल्ला के समीप नाले और उसके आसपास होने वाले भूस्खलन जोन के मरम्मतीकरण के लिए जायका के तहत गत डेढ़ वर्ष से जापानी तकनीक से कार्य किया जा रहा है लेकिन यह कार्य अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। अब स्थिति यह है कि वहां पर भूस्खलन को रोकने के लिए चेकडैम आदि बनाए गए थे। उन पर भू–क्षरण होने के कारण यह क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

ढाटमीर के ग्रामीणों ने किया नशे का विरोध

पुरोला। विकासखंड की बड़ासू पट्टी के ढाटमीर गांव में नशे के बढ़ते प्रचलन के खिलाफ महिलाओं ने सामाजिक स्तर पर बड़ा कदम उठाया है। महिला समिति के नेतृत्व में गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प लेते हुए मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पांच हजार रुपये का जुर्माना और एक बकरा दंडस्वरूप देने का प्रावधान किया गया है।

एक अगस्त को आयोजित ग्रामसभा में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने सर्वसम्मति से नशे के खिलाफ अभियान चलाने का निर्णय लिया। महिला समिति की ओर से गांव में पोस्टर जारी कर स्पष्ट किया गया है कि शराब, अफीम, स्मैक, चरस, गांजा समेत सभी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन, खरीद–फरोख्त और भंडारण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

आपदाओं के दोहरे खतरे में स्यानाचट्टी, अस्तित्व बचाने की चुनौती

चमोली। लगातार हो रहे भूस्खलन से स्थानीय लोगों की सुरक्षा के साथ ही चारधाम यात्रा पर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है।ग्रामीणों का कहना है कि यमुना और कुपड़ा खड्ड के चैनलाइजेशन का कार्य पिछले एक वर्ष से चल रहा है, लेकिन इसकी गति और प्रभाव संतोषजनक नहीं है।

यमुनोत्री धाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव स्यानाचट्टी प्राकृतिक आपदाओं के दोहरे संकट से जूझ रहा है। एक ओर उफनती यमुना नदी लगातार कटाव कर रही है, वहीं दूसरी ओर पहाड़ों से हो रहे भूस्खलन ने खतरा बढ़ा दिया है। जून 2025 से लगातार आपदाओं की मार झेल रहा यह कस्बा अब अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है, जबकि स्थायी सुरक्षा उपाय अब भी अधूरे कार्यों और कागजों तक सीमित हैं।

पिछले वर्ष कुपड़ा खड्ड से आए भारी मलबे और बोल्डरों ने यमुना का प्रवाह रोककर अस्थायी झील जैसी स्थिति पैदा कर दी थी, जिससे क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ था। वर्तमान में डडोटी खड्ड से लगातार आ रहा मलबा यमुना नदी के तल को ऊंचा कर रहा है। इससे नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है और होटल व अन्य भवन खतरे की जद में आ गए हैं।

मुख्यमंत्री ने किया ओहो रेडियो 89.2 एफएम का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को बल्लूपुर देहरादून में ओहो रेडियो 89.2 एफएम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडियो आज भी जनसंवाद, जनजागरूकता और सामाजिक चेतना का अत्यंत प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ओहो रेडियो सामाजिक जागरूकता बढ़ाने, सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करने तथा जनहित से जुड़े विषयों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडियो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का ऐसा माध्यम है, जिसकी पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सरोकारों, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में रेडियो जैसे माध्यमों की की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य

सरकार द्वारा विभिन्न संचार मंचों के माध्यम से उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकभाषाओं, लोककलाओं, लोकसंगीत तथा स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी रेडियो की विश्वसनीयता और उपयोगिता बनी हुई है। स्थानीय मुद्दों, सकारात्मक समाचारों और जनभागीदारी को बढ़ावा देने में सामुदायिक एवं एफएम रेडियो की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ओहो रेडियो 89.2 एफएम समाज में सकारात्मक सोच, रचनात्मक संवाद और जनहित के संदेशों का प्रभावी माध्यम बनेगा तथा उत्तराखण्ड के विकास और सांस्कृतिक समृद्धि को नई पहचान देने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, ओहो रेडियो के आर. जे. काव्य मौजूद थे।

धर्मपुर पार्षद विवेक कोठारी पर दो मुकदमे दर्ज

देहरादून,राजधानी देहरादून के वार्ड संख्या–56 धर्मपुर के पार्षद विवेक कोठारी उर्फ डिंपी के खिलाफ नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने अलग–अलग शिकायतों के आधार पर दो मुकदमे दर्ज किए हैं। एक शिकायत स्थानीय महिला ने दर्ज कराई है, जबकि दूसरी शिकायत क्षेत्र के एक डेयरी संचालक की ओर से दी गई है। दोनों मामलों में मारपीट, अभद्र व्यवहार, धमकी और सरकारी कार्य में हस्तक्षेप जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।

सामुदायिक भवन की चाबी को लेकर हुआ विवाद

नेहरू कॉलोनी निवासी सुषमा जोशी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 31 जुलाई की शाम उन्हें रश्मि उनियाल का फोन आया, जिसमें बताया गया कि पार्षद विवेक कोठारी ने नेहरू कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन की चाबी मांगी है।

शिकायत के अनुसार, वह चाबी लेकर सामुदायिक भवन पहुंचीं, लेकिन करीब 25 मिनट तक इंतजार करने के बावजूद पार्षद वहां नहीं पहुंचे। इसके बाद वह पास स्थित सागर गिरी मंदिर में कथा सुनने चली गईं। कुछ देर बाद उन्हें दोबारा फोन कर चाबी लेकर आने को कहा गया। बारिश के बीच जब वह पुनः सामुदायिक भवन पहुंचीं तो वहां पार्षद पहले से मौजूद थे।

अभद्रता, धक्का–मुक्की और नुकीली वस्तु से वार का आरोप

महिला का आरोप है कि वहां पहुंचते ही पार्षद विवेक कोठारी ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और कहा कि वह वार्ड के निर्वाचित पार्षद हैं।

रायपुर विधायक की पत्नी की फर्म का खनन भंडारण लाइसेंस रद्द

देहरादून, उत्तराखंड शासन ने रायपुर से भाजपा विधायक उमेश शर्मा काऊ की पत्नी सुबोधनी शर्मा की साझेदारी वाली फर्म मैसर्स अनन्या एसोसिएट्स को बड़ा झटका दिया है। शासन ने देहरादून जनपद के ग्राम थेवा में स्वीकृत रिटेल खनिज भंडारण अनुज्ञा (लाइसेंस) को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है।

शासन का कहना है कि फर्म रिटेल खनिज भंडारण के लिए निर्धारित दूरी संबंधी मानकों का पालन नहीं कर सकी, जिसके चलते यह का-र्रवाई की गई। शासन के विधान शाखा के उप सचिव हनुमान प्रसाद तिवारी द्वारा 29 जुलाई 2026 को जारी आदेश में भूत्व एवं खनिकर्म विभाग के निदेशक को निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम थेवा, तहसील एवं जनपद देहरादून के खाता संख्या–43, खसरा संख्या–343 की 0.8500 हेक्टेयर भूमि में से 0.8115 हेक्टेयर क्षेत्र पर मैसर्स अनन्या एसोसिएट्स के पक्ष में स्वीकृत रिटेल खनिज भंडारण अनुज्ञा को तत्काल प्रभाव से निरस्त माना जाए।

संयुक्त निरीक्षण में सामने आई अनियमितता

शासन के अनुसार 15 जुलाई 2026 को हुए संयुक्त निरीक्षण तथा 28 जुलाई 2026 को प्राप्त रिपोर्ट के परीक्षण के बाद यह निर्णय लिया गया। जांच में पाया गया कि उत्तराखंड खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निस्तारण) नियमावली, 2021 के नियम–12 के उपनियम 2 (6) के अंतर्गत रिटेल भंडारण के लिए निर्धारित दूरी संबंधी मानकों का पालन नहीं किया गया।

इसी आधार पर शासन ने पहले 4 फरवरी 2026 और 12 फरवरी 2026 को जारी आदेशों के क्रम में अंतिम निर्णय लेते हुए अनुज्ञा को निरस्त कर दिया।

फर्म में विधायक की पत्नी हैं साझेदार

मैसर्स अनन्या एसोसिएट्स के साझेदारों में अभिजीत सिंह नेगी, किशन सिंह नेगी, सुबोधनी शर्मा और सुमित सिंह शामिल हैं।

लकड़ी के पुल से जान जोखिम में डालकर आर पार हो रहे स्कूली बच्चे

उत्तरकाशी। डुंडा ब्लॉक के सिरी गांव के ढुंग तोक में आपदा में बही पुलिया का निर्माण दो साल बाद भी नहीं हो पाया है। इससे ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को रोजाना जान जोखिम में डालकर लकड़ी की अस्थायी पुलिया से आवाजाही करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जल्द स्थायी पुल का निर्माण नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। ग्राम प्रधान तेजपाल राणा, नितिन नौटियाल, फूल सिंह रावत, मालचंद राणा और दिनेश राणा ने बताया कि बीते दो साल पहले आपदा में ढुंग तोक के पास सिरी गाड पर बनी पुलिया बह गई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर लकड़ी की अस्थायी पुलिया बनाकर आवागमन शुरू किया लेकिन अब उसकी लकड़ियां भी सड़ने लगी हैं।

आपदा से तबाह किसानों ने सरकार से लगाई राहत की गुहार

उत्तरकाशी, उत्तरकाशी जनपद के सीमांत विकासखंड पुरोला, नौगांव और मोरी में हाल ही में आई अतिवृष्टि, भूस्खलन और बाढ़ से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। नगदी फसलों के साथ–साथ धान की फसल भी बर्बाद होने से क्षेत्र के किसान आर्थिक संकट में आ गए हैं। इस बीच प्रभावित क्षेत्र के किसानों एवं कृषक संगठनों ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव, उत्तराखंड सरकार को ज्ञापन भेजकर तत्काल राहत, मुआवजा और किसान पहचान संख्या की अनिवार्यता में अस्थायी राहत देने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि पर्वतीय क्षेत्रों के अधिकांश किसान कृषि और बागवानी पर निर्भर हैं। हाल की प्राकृतिक आपदा के कारण खेतों में भारी मात्रा में मलबा भर गया, जिससे टमाटर, शिमला मिर्च, नाशपाती जैसी नगदी फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं। इसके अलावा क्षेत्र की प्रमुख खाद्य फसल धान भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। किसानों का कहना है कि उनकी पूरे वर्ष की मेहनत और निवेश कुछ ही घंटों में बर्बाद हो गया। किसानों ने ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में सरकारी राहत और मुआवजा प्राप्त करने के लिएं१ी१ कऊअनिवार्य है, लेकिन पुरोला, नौगांव और मोरी जैसे दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में इंटरनेट और सर्वर की समस्या पहले से बनी रहती है।

मतदाताओं के दस्तावेजों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करें

देहरादून, उत्तराखंड में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क्र) अभियान को प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने सोमवार को सचिवालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मतदाताओं द्वारा सुनवाई के दौरान प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों के समयबद्ध सत्यापन पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विभिन्न विभागों के निदेशकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी दस्तावेजों का निर्धारित समय सीमा के भीतर सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

11 प्रकार के दस्तावेजों के सत्यापन पर रहेगा विशेष फोकस

बैठक में डॉ. पुरुषोत्तम ने कहा कि आयोग द्वारा मान्य 11 प्रकार के दस्तावेज, जिनमें प्रमुख रूप से शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर तथा अन्य वैध अभिलेख शामिल हैं, उनका शीघ्र और सटीक सत्यापन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर राज्य स्तर से लगातार निगरानी की जाए।

विभिन्न विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारी

दस्तावेजों के सत्यापन के लिए अलग–अलग विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैट्रिक एवं शैक्षिक प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए निदेशक माध्यमिक शिक्षा एवं निदेशक उच्च शिक्षा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। स्थायी निवास, जाति एवं भवन आवंटन प्रमाण पत्रों के सत्यापन की जिम्मेदारी राजस्व परिषद को दी गई है। जन्म प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए निदेशक शहरी विकास एवं निदेशक स्वास्थ्य को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परिवार रजिस्टर एवं भवन आवंटन संबंधी अभिलेखों के सत्यापन का दायित्व निदेशक पंचायतीराज को सौंपा गया है। विभिन्न विभागों की ऑनलाइन सेवाओं एवं डिजिटल सत्यापन के लिए निदेशक आईटीडीए को राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है।

नरेंद्रनगर में रसोई गैस उपभोक्ताओं को 45 दिन बाद मिल रहा सिलिंडर

नरेंद्रनगर (टिहरी)। नगर क्षेत्र में रसोई गैस की अनियमित आपूर्ति को लेकर उपभोक्ताओं में रोष है। परेशान लोगों ने एसडीएम आशीष घिल्डियाल को ज्ञापन देकर व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है।

नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष दुर्गा राणा के नेतृत्व में एसडीएम को ज्ञापन देने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि नरेंद्रनगर में उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर की आपूर्ति 45 दिनों के बाद की जा रही है जबकि एक घरेलू गैस सिलिंडर एक माह से अधिक नहीं चल पाता है। इस मनमानी पर नगर क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नरेंद्रनगर को शहरी क्षेत्र मानते हुए यहां भी अन्य नगर क्षेत्रों की तरह ही 25 दिन बाद गैस सिलिंडर नियमित उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने उपभोक्ताओं की सुविधानुसार 25 दिन बाद रसोई गैस उपलब्ध कराने की मांग करते हुए सप्लायर कंपनियों को शीघ्र निर्देश जारी करने की मांग की है। एसडीएम ने उन्हें शीघ्र समस्या का समाधान करने का प्रयास करने का भरोसा दिया है।

सीएम हेल्प लाइन में दर्ज शिकायतें तय समय पर हल करने के निर्देश

नई टिहरी। जनता मिलन कार्यक्रम में गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर अन्य समस्याओं पर समयबद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने सीएम हेल्प लाइन में दर्ज शिकायतों पर चर्चा कर अवशेष शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने को कहा है।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम नितिका खंडेलवाल ने गढ़वाल आयुक्त को सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों और उनके निस्तारण की प्रगति से अवगत कराया। आयुक्त ने 36 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए।

शराबियों की बारात लेकर थाने पहुंची दून पुलिस

देहरादून, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के निर्देश पर दून पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पटेलनगर थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने सड़क किनारे एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन कर रहे 30 लोगों को हिरासत में लिया। सभी के विरुद्ध पुलिस एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई तथा भविष्य में इस प्रकार की हरकत न करने की सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने से कानून–व्यवस्था प्रभावित होने के साथ आम नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को भी असुविधा होती है। इसी को देखते हुए लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाकर ऐसे लोगों के विरुद्ध प्रभावी

कार्रवाई की जा रही है।

दून पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जनसुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऑपरेशन प्रहार के तहत आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। पुलिस ने लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन न करने तथा कानून का पालन करने की अपील की है।

बेस चिकित्सालय की स्वास्थ्य सुविधाओं पर उठाए सवाल, जल्द सुधार की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बेरोजगार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राम कंडवाल ने राजकीय बेस चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चिंता जताते हुए व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार की मांग की है। कहा कि सुविधाओं के अभाव में बेस अस्पताल केवल रेफर सेंटर बनकर रह गया है। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पा रहा है। सोमवार को देवी रोड स्थित एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए राम कंडवाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि अस्पताल में कई आवश्यक सुविधाएं संसाधनों के अभाव और स्टाफ की कमी से प्रभावित हो रही हैं, जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। राम कंडवाल ने आरोप लगाया कि चिकित्सालय में पुरानी एक्सरे मशीन के सहारे काम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपयोग अवधि भी जल्द पूरी होने वाली

कोटद्वार में पत्रकारों से वर्ता करते राम कंडवाल

है। उनके अनुसार, इस संबंध में अस्पताल प्रशासन ने क्षेत्रीय विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण को अवगत कराया है, लेकिन नई मशीनों की व्यवस्था को लेकर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 600 से 700 मरीज उपचार के लिए बेस चिकित्सालय पहुंचते हैं, लेकिन सीमित संसाधनों और अव्यवस्थित स्वास्थ्य सेवाओं के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनका दावा है कि अस्पताल में स्वीकृत पदों के मुकाबले चिकित्सकों की संख्या कम है। एक्सरे तकनीशियन के पांच स्वीकृत पद होने के बावजूद केवल एक तकनीशियन के भरोसे पूरी व्यवस्था संचालित की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने आईसीयू के संचालन को लेकर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वहां मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हैं। राम कंडवाल ने क्षेत्रीय विधायक पर स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति उदासीन रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनहित से जुड़े इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने सरकार से अस्पताल में आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने, रिक्त पदों पर नियुक्तियां करने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की मांग की। पत्रकार वार्ता में शिवानंद लखेड़ा और महिमा डोबरियाल भी मौजूद रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर नगर पालिका सख्त, कार्रवाई की चेतावनी

ढालवाला। कांवड़ यात्रा को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती ने कमर कस ली है। सिंगल यूज प्लास्टिक और प्रतिबंधित पॉलीथीन के खिलाफ पालिका की ओर से लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सेमवार को टीम की ओर से की गई कार्रवाई के चलते 5 चालान कर कुल 800 रुपये का अर्थदंड वसूला गया।

सोमवार को पालिका टीम ने जानकी सेतु पार्किंग क्षेत्र, विभिन्न घाटों और कांवड़ यात्रा मार्ग पर निरीक्षण किया। कई लोगों को चेतावनी देकर भविष्य में प्लास्टिक और पॉलीथीन का प्रयोग न करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सफाई निरीक्षक नितिन सती ने कहा कि यात्रा को स्वच्छ रखने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। नगर पालिका ने कांवड़ यात्रा में आए सभी श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वह सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें, कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें और स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण–अनुकूल कांवड़ यात्रा के आयोजन में सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी राशन के अवैध भंडारण में दुकानदार दोषी, सहायक खाद्य निरीक्षक दोष मुक्त

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : थलीसैंण बाजार में सरकारी राशन के अवैध भंडारण के मामले में अदालत ने आरोपी दुकानदार को दोषी करार दिया। जबकि सहायक खाद्य निरीक्षक को दोष मुक्त किया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी शहजाद ए वाहिद की अदालत ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने दोषी के प्रथम अपराधी होने, किसी आपराधिक इतिहास के अभाव और पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए एक वर्ष की परिवीक्षा का लाभ दिया। इसके लिए 20 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के एक जमानती बंधपत्र पर रिहा करने का आदेश दिया। अभियोजन के अनुसार 27 मार्च 2022 को राजस्व विभाग को मिली सूचना पर टीम ने थलीसैंण बाजार स्थित चौधरी जनरल स्टोर के गोदाम से 50-50 किलो की 20 बोरियां सरकारी चावल बरामद किया था। आरोप था कि राशन सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का था और उसका अवैध भंडारण किया गया था। विभाग ने मामले में सहायक खाद्य निरीक्षक सुरेंद्र सिंह की संलिप्तता की भी आशंका जताते हुए दोनों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने माना कि बरामद चावल सरकारी राशन था और सुबोध चौधरी उसके भंडारण के लिए कोई वैध अनुमति या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके। इसी आधार पर अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया। हालांकि सहायक खाद्य निरीक्षक सुरेंद्र सिंह के विरुद्ध मामले में संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले। जिस पर अदालत ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया।

स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की प्रसूता व नवजात के मौत मामले की जांच

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तरकेयर अस्पताल में प्रसूता व नवजात की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। सीएमओ डॉ. असवाल ने बताया कि विशेषज्ञों की टीम ने अपने स्तर से प्रकरण की जांच की जा रही है। सभी बिन्दुओं पर जांच के बाद ही रिपोर्ट तैयार की जा सकेगी। सोमवार को सीएमओ डॉ. मेघना असवाल की अगुवाई में पांच विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम अस्पताल पहुंची। जहां टीम ने अस्पताल की बुनियादी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीम में सर्जन, निश्चेतक समेत स्त्री रोग व बाल रोग विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। इससे पूर्व ही सीएमओ ने मामले की जांच होने तक अस्पताल में ऑपरेशन से प्रसव कराए जाने पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि निजी अस्पताल प्रबंधन भी मामले की जांच करवा रहा है।

पात्र लाभार्थी आवश्यक दस्तावेज जल्द जमा कराएं

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर के वार्ड संख्या-21 में विधवा, वृद्धावस्था और दिव्यांग पेंशन के पात्र लाभार्थियों से आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा कराने की अपील की गई है। पार्षद अंजना रावत ने बताया कि लाभार्थी आधार कार्ड, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर की नकल, आय प्रमाणपत्र, आधार से लिंक बैंक पासबुक की प्रति, पासपोर्ट साइज फोटो और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराएं।

संस्कारयुक्त व नशामुक्त समाज निर्माण के लिए एकजुटता जरूरी

संस्कारयुक्त एवं नशामुक्त समाज के निर्माण को लेकर प्रधानाचार्यों की बैठक आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कण्वनगरी संस्कारशाला के तहत संस्कारयुक्त, नशामुक्त समाज अभियान के संचालन एवं विस्तार को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें विकासखंड दुगड्डा के सभी माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कहा कि संस्कारयुक्त व नशामुक्त समाज निर्माण के लिए एकजुटता जरूरी है।

सोमवार को टूरिस्ट संदेश फाउंडेशन के आह्वान पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कोटद्वार में विकासखंड दुगड्डा के सभी माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य बबीता ध्यानी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी वर्षा भारद्वाज उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र उनियाल, एमकेवीएन स्कूल के संस्थापक प्रकाश कोठारी, पूर्व प्रधानाचार्य शंकर दत्त गौड़ व के.पी.एल. खन्तवाल शामिल रहे। इस अवसर

आयोजित बैठक में अपने विचार रखते अतिथि

पर सुभाष चन्द्र नौटियाल द्वारा लिखित एवं संपादित पुस्तक कण्वनगरी संस्कारशाला का लोकार्पण भी किया गया। मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी वर्षा भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि संस्कारयुक्त एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। कण्वनगरी संस्कारशाला द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों और युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का व्यापक स्तर पर आयोजन होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी समय-समय पर संस्कारयुक्त एवं नशामुक्त भारत के निर्माण का आह्वान कर चुके हैं। बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने की जिम्मेदारी अभिभावकों और शिक्षकों की संयुक्त भूमिका से ही पूरी की जा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रधानाचार्य बबीता ध्यानी ने कहा कि समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए सतत जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि कण्वनगरी संस्कारशाला इस दिशा में निरंतर सक्रिय रहते हुए विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 15 अगस्त के बाद विकासखंड दुगड्डा के सभी माध्यमिक विद्यालयों में संस्कारयुक्त, नशामुक्त समाज विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। इस दौरान डॉ. राकेश मोहन ध्यानी ने पुस्तक कण्वनगरी संस्कारशाला की समीक्षा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन अजयपाल सिंह रावत ने किया। इस मौके पर प्रकाश कोठारी, चित्रमणि देवलियाल, शशिभूषण अमोली, मयंक प्रकाश कोठारी प्रवेश चन्द्र नवानी, जनार्दन प्रसाद ध्यानी, एस.पी. कुकरेती, डॉ. सुन्दर लाल जोशी, रमाकांत कुकरेती, डॉ. मंजू कपरवाण, विकास देवरानी, वरिष्ठ पत्रकार चंद्रेश लखेड़ा, वरिष्ठ पत्रकार कमल बिष्ट, सुनील नवानी, राजेन्द्र प्रसाद पंत आदि मौजूद रहे।

राम प्रसाद नौटियाल को किया याद

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : गढ़वाल कप्तान राम प्रसाद नौटियाल की 121वीं जयंती पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने नौटियाल के योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

देहरादून स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले राम प्रसाद नौटियाल के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कहा कि समाज सेवा में दिए गए नौटियाल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वह एक क्रांतिकारी थे। जो सदैव भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते रहे। डा. योगेश धस्माना ने कहा कि कप्तान नौटियाल भारत छोड़ो आंदोलन के नायक रहे। उन्होंने आंदोलन में सत्याग्रह किया साथ ही किसानों का भी नेतृत्व किया। पूर्व राज्य सूचना आयुक्त डा. विपिन घिल्डियाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को नौटियाल के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर नंद किशोर नौटियाल, एडवोकेट कृष्णानंद मैठाणी, पत्रकार नागेंद्र उनियाल डा. प्रकाश चमोली, प्रदीप रावत, मनीष सुंद्रियाल, कर्नल सीएम नौटियाल, डा. एसएस असवाल आदि मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता कर्नल सीएम नौटियाल ने की। जबकि, संचालन सुभाष नौटियाल ने किया।

लकड़ीपड़ाव में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के लकड़ीपड़ाव में सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यक्ति को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने लकड़ीपड़ाव स्थित एक बंद खोखे के बाहर व्यक्ति के अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना दी थी। फिलहाल शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है और उसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अदालती सूचना शुद्धि पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दैनिक जयन्त के 29 जुलाई 2026 के अंक में प्रकाशित न्यायालय श्रीमान सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी कोटद्वार द्वारा जारी अदालती सूचना राजस्व वाद संख्या 12 सन् 2026 श्री गोपाल सिंह नेगी बनाम् उत्तराखण्ड सरकार आदि में प्रतिवादीगणों को न्यायालय में उपस्थित होने की तिथि 16/09/2026 के स्थान पर दो जगह 26/09/2026 व एक स्थान पर 22/07/2026 भूलवश प्रकाशित हो गई थी। साथ ही अंतिम पंक्ति में आदेश जारी होने की तिथि रिक्त रह गई थी।

अतः मामले में इस शुद्धिपत्र से उपरोक्त मामले में सुनवाई हेतु दिनांक 16/09/2026 की तिथि नियत पढ़ी व समझी जाए। साथ ही न्यायालय से सूचना जारी होने की तिथि दिनांक 22/07/2026 अंकित पढ़ी जाए।

संपादक, दैनिक जयन्त।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा लाइसेंस संख्या UK-1519890023627 है, जिसमें त्रुटिवश मेरे पिता का नाम MOHD KAMIT अंकित है। जबकि मेरे अन्य समस्त अभिलेखों में मेरे पिता का सही व वास्तविक नाम MOHD KAMIL अंकित है। अतः मेरे लाइसेंस संख्या UK-1519890023627 में मेरे पिता का सही व वास्तविक नाम MOHD KAMIL अंकित किया जाये।

मौ० इस्लाम पुत्र मौ० कामिल निवासी बी0ई0एल0 कालोनी, बलभद्रपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(577/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि **24.08.2026** है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन **15:30 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	**06-GSU-MB-26-27 01.08.2026**
कार्य का नाम	Name of work :- Improvement of circulating area, parking area, entry exit gates, parcel roads, lift work, divyangjan facilities and other miscellaneous works at Rampur station, improvement of circulating area, entry exit gates, divyangjan facilities at Shahjahanpur station, construction of concourse hall, porch, entry exit gates, divyangjan facilities at Hardoi station in connection with ABSS works under Dy.CE/GSU/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	24.08.2026, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत	45940226.58
धरोहर राशि	918800.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	10.08.2026

नं. Dy.CE/GSU/MB/Publication-06/26-27 दिनांक-01.08.2026 **2668/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/ जीएसयू/ मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि **24.08.2026** है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन **15:30** बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेटबैंकिंग, डेबिटकार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चौक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	**07-GSU-MB-26-27 01/08/2026**		
कार्य का नाम	FOB Civil works, divyangjan facilities and other miscellaneous works at Hapur station, construction of concourse hall, divyangjan facilities and other miscellaneous woks at Amroha station, construction of concourse hall, FOB Civil work, entry & exit gates and other miscellaneous work at Seohara station and miscellaneous works at Nagina station in connection with ABSS works under Dy.CE/GSU/MB		
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/ समय	**अनुमानित लागत (Rs.)**	**धरोहर राशि (Rs.)**	**बिडिंग स्टार्ट तिथि**
24.08.2026, 15:30 Hrs.	48585629.45	971700.00	10.08.2026

No- Dy-CE/GSU/MB/ Publication-07/26-27 **दिनांक: 01.08.2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **2667/2026**

नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार, प्रधानमंत्री के राष्ट्रव्यापी संकल्प के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार (गढ़वाल) में 'नशा मुक्त युवाविकसित भारत अभियान' के तहत वि शेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, सशक्त एवं नशा–मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ नशा मुक्ति शपथ के साथ हुआ, जिसमें छात्र–छात्राओं ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को भी नशा–मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 (डा) डी0एस0 नेगी ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। यदि युवा नशे से दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें, तो विकसित भारत के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से इस जन–जागरूकता अभियान को अपने परिवार और समाज तक पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम अधिकारी डा मीनाक्षी वर्मा ने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर एवं नगर क्षेत्र में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से छात्र–छात्राओं ने जनसामान्य को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा स्वस्थ एवं नशा–मुक्त भारत के निर्माण का संदेश दिया। इस अभियान में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक शिक्षणेत्तर कर्मचारी,राष्ट्रीय सेवा योजना , राष्ट्रीय कैडेट कोर भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी रोवर–रेंजर इकाई के स्वयंसेवियों एवं समस्त छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने नशा–मुक्त भारत के संकल्प को जन–जन तक पहुँचाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाजहित में नशा–मुक्त भारत के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

आज से शुरू होगी रामलीला मंचन की रिहर्सल

श्रीनगर गढ़वाल : ऐतिहासिक आदर्श रामलीला के 130वें मंचन के लिए आयोजित ऑडिशन हो गए हैं। चयन प्रक्रिया में कुल 60 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। पात्रों के अभिनय के लिए 15 महिलाओं और चार पुरुषों समेत कुल 19 कलाकारों को रिहर्सल के लिए चुना गया है। इनमें से अंतिम रूप से 12 कलाकारों का चयन किया जाएगा। रामलीला समिति के अध्यक्ष देवेंद्रमणि मिश्रा ने बताया कि पात्रों के लिए चुनी गई महिलाओं में कुछ पिछले वर्ष की अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं। मंगलवार से रिहर्सल शुरू कर दी जाएगी। अभिनय, संवाद अदायगी और मंचीय प्रदर्शन के आधार पर छंटनी के बाद पात्रों का अंतिम चयन होगा। ऑडिशन में दो प्रतिभागियों का पार्श्व गायन, दो युवाओं का ढोलक वादन और एक बालक का बांसुरी वादन के लिए चयन किया गया।

पीएलवी अधिक से अधिक विधिक शिविर आयोजित करें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आयोजित पीएलवी/अधिकार मित्रों की मासिक समीक्षा बैठक हुई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) नाजिश कलीम ने पैरालीगल वालंटियर्स (पीएलवी) और अधिकार मित्रों से गांव-गांव में विधिक जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को निःशुल्क कानूनी सहायता और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। सचिव ने कहा कि प्रत्येक पीएलवी अपने कार्यक्षेत्र में अधिक से अधिक विधिक साक्षरता शिविर आयोजित करें। शिविरों में निःशुल्क विधिक सहायता, राष्ट्रीय एवं विशेष लोक अदालत, मध्यस्थता, स्थायी लोक अदालत, महिला एवं बाल अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, नशा मुक्ति, साइबर अपराध से बचाव व विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि स्थायी लोक अदालतें जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों के त्वरित, सरल, कम खर्चीले और सौहार्दपूर्ण निस्तारण का प्रभावी मंच हैं।

इनका उद्देश्य न्यायालय में वाद दायर होने से पहले ही पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से विवादों का समाधान कर न्याय तक आमजन की आसान पहुंच करना है। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के रिटेनर अधिवक्ता गजेंद्र सिंह रावत, स्थायी लोक अदालत के सदस्य मयंक शर्मा, वन स्टॉप सेंटर की अमृता रावत आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. **75-W/2/3/WA/Publication** **दिनांक 01.08.2026**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	**142-DRM-MB-26-27 Dt. 27.07.2026**	**143-DRM-MB-26-27 Dt. 27.07.2026**	**144-DRM-MB-26-27 Dt. 27.07.2026**	**145-DRM-MB- 26-27 Dt. 27.07.2026**	**146-DRM-MB-26-27 Dt. 27.07.2026**	**147-DRM-MB-26-27 Dt. 27.07.2026**
कार्य का नाम	2026-27: Zone No. RK-1 (RK) Laksar to Baliakheri (Excluding. Laksar) of service and residential building and staff quarter for general, road and wood work under ADEN/RK	2026-27:- Zone No. RK-2 (LRJ) Fazalpur to Laksar (1500 to 1538) and Laksar to Aithal (0 to 09) of service building and residential building for general road and wood work under ADEN/RK.	2026-27:- Zone No. HW-1 (HW) Aithal to Rishikesh (Excluding Aithal) of service buildings and residential buildings (Excluding Aithal) and staff quarters at HW for general road and wood work under ADEN/HW.	2026-27:- Zone No. HW-2 Dehradun to Raiwala (excluding Raiwala) of service buildings, residential building & staff quarter for general road and wood work in the section of SSE/W/ DDN under ADEN/ HW	2026-27:- Zone No. HW-3 (JP) Oak Grove School Jharipani of service buildings and residential buildings for general road and wood work under ADEN/HW	2026-27:- Zone No. HW-4 (YNRKSH) Virbhadra to Yognagri Rishikesh (Excluding Rishikesh) of service buildings and residential buildings for general road and wood work under ADEN/HW.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	25.08.2026 16:00	25.08.2026 16:00	25.08.2026 16:00	25.08.2026 16:00	25.08.2026 16:00	25.08.2026 16:00
अनुमानित लागत	1,20,99,151.06	48,27,819.25	1,20,99,885.13	1,50,99,857.57	1,81,99,628.47	71,99,516.54
धरोहर राशि	2,42,000.00	96,600.00	2,42,000.00	3,02,000.00	3,64,000.00	1,44,000.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	11.08.2026	11.08.2026	11.08.2026	11.08.2026	11.08.2026	11.08.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	30.06.2027	30.06.2027	30.06.2027	30.06.2027	30.06.2027	30.06.2027

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **2665/26**

संपादकीय

उपचुनाव में हार कई राजनीतिक संकेत

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की विधानसभा सीट से प्रसाद किशोर भाजपा को हराकर चुनाव जीत गए हैं। बांकीपुर की यह हार जीत इस समय पूरे देश में राजनीतिक तौर पर बहस का विषय बनी हुई है। बिहार की राजनीति में बांकीपुर विधानसभा सीट केवल एक चुनावी क्षेत्र नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रतीक रही है। लंबे समय से भाजपा के प्रभाव वाले इस क्षेत्र में यदि पार्टी को हार का सामना करना पड़ता है, तो उसका प्रभाव एक सीट तक सीमित नहीं रहता। यह परिणाम राजनीतिक दलों, रणनीतिकारों और मतदाताओं के बीच नई बहस को जन्म देता है। लोकतंत्र में उपचुनावों को अक्सर बड़े चुनावों का सेमीफाइनल नहीं माना जाता, लेकिन वे जनता के मूड का संकेत अवश्य देते हैं। बांकीपुर का परिणाम भी कुछ ऐसा ही संदेश देता है। यह परिणाम बताता है कि मतदाता अब केवल परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं के आधार पर मतदान नहीं कर रहे हैं। वे स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवार की स्वीकार्यता और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन को भी गंभीरता से तौल रहे हैं। भाजपा के लिए यह हार कई सवाल खड़े कर सकती है। क्या संगठन और जनता के बीच संवाद में कहीं कमी आई? क्या स्थानीय मुद्दों को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिली? क्या मतदाताओं की अपेक्षाओं और राजनीतिक संदेशों के बीच दूरी बढ़ी? ऐसे प्रश्न किसी भी जिम्मेदार राजनीतिक दल को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करते हैं। दूसरी ओर, यह परिणाम विपक्षी दलों और नए राजनीतिक विकल्पों के लिए उत्साह का कारण बन सकता है। यदि कोई नया नेतृत्व या नई राजनीतिक धारा स्थापित दलों को चुनौती देने में सफल होती है, तो यह लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण माना जाएगा। बिहार जैसे राजनीतिक रूप से जागरूक राज्य में मतदाता समय–समय पर यह साबित करते रहे हैं कि वे बदलाव को अवसर देने से पीछे नहीं हटते। हालांकि, किसी एक उपचुनाव के आधार पर व्यापक राजनीतिक निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। भाजपा आज भी राष्ट्रीय और कई राज्यों की राजनीति में मजबूत स्थिति रखती है। लेकिन राजनीति में जीत जितनी महत्वपूर्ण होती है, हार से मिलने वाला संदेश उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। जो दल अपनी हार के कारणों को समझ लेते हैं, वे भविष्य में अधिक मजबूत होकर लौटते हैं। बांकीपुर का जनादेश यह भी दर्शाता है कि लोकतंत्र में कोई भी राजनीतिक गढ़ स्थायी नहीं होता। जनता का विश्वास अर्जित करना जितना कठिन है, उसे बनाए रखना उससे भी अधिक चुनौतीपूर्ण है। मतदाता विकास, जवाबदेही और संवेदनशील शासन की अपेक्षा रखते हैं। जब उन्हें लगता है कि उनकी आवाज पर्याप्त रूप से नहीं सुनी जा रही, तो वे मतदान के माध्यम से अपना संदेश स्पष्ट कर देते हैं। बांकीपुर उपचुनाव का सबसे बड़ा सबक यही है कि लोकतंत्र में जनता ही अंतिम शक्ति है। राजनीतिक दलों के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का अवसर है, जबकि मतदाताओं के लिए यह उनके लोकतांत्रिक अधिकार की प्रभावशीलता का प्रमाण। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि इस जनादेश से बिहार की राजनीति में कौन–कौन से नए समीकरण जन्म लेते हैं और राजनीतिक दल इससे क्या सीख लेते हैं। यह हार भाजपा के लिए केवल एक चुनावी पराजय नहीं, बल्कि जनता के संदेश को समझने का अवसर है। राजनीति में स्थायी विजय का कोई शॉर्टकट नहीं होता। जनता का विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी है, और उसे बनाए रखने के लिए निरंतर संवाद, विकास और जवाबदेही आवश्यक है। बांकीपुर ने एक बार फिर लोकतंत्र की इसी शक्ति को रेखांकित किया है। राजनीति में अहंकार और अति–आत्मविश्वास अक्सर भारी पड़ते हैं। यदि किसी उपचुनाव में देश की सबसे बड़ी पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व भी अपनी प्रतिष्ठा वाली सीट नहीं बचा पाता, तो यह आत्ममंथन का विषय है। किसी भी समाज या वर्ग को हल्के में लेना, अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना या यह मान लेना कि "कोई भी उम्मीदवार जीत जाएगा"–लोकतंत्र में ऐसी सोच जनता समय आने पर खारिज भी कर सकती है। लोकतंत्र का संदेश स्पष्ट है–जनता सवीपरि है। जो जनता का सम्मान करेगा, वही लंबे समय तक जनता का विश्वास भी बनाए रख पाएगा। समय रहते आत्मचिंतन और सुधार हर राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है।

विश्व स्तनपान सप्ताह : हर माँ को मिले सहयोग, हर शिशु को मिले पोषण

सुनील कुमार महला

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1झ्र7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निमार्ताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरूआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फोर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। हाल फिलहाल, यहां यदि हम इस दिवस के इतिहास की बात करें तो पाठकों को बताता चलूं कि इस सप्ताह को मनाने की शुरूआत 1992 में वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन (डब्ल्यूएबीए) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। उल्लेखनीय है कि अगस्त 1990 में दुनिया भर के नीति निमार्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित इन्नोसेंटी घोषणा पत्र की याद में ही हर साल अगस्त के पहले सप्ताह को चुना गया था।

इस साल(वर्ष 2026 में) इस दिवस की थीम-जीवन की सतत एवं स्वस्थ शुरूआत के लिए स्तनपानः जो प्रभावी है, उसे और सशक्त बनाएं। रखी गई है। वास्तव में, इस थीम का संदेश है कि माताओं को हर स्तर पर सहयोग मिले, ताकि वे अपने बच्चों को आसानी और सुरक्षित रूप से स्तनपान करा सकें। मतलब यह है कि सरकार, अस्पताल, कार्यस्थल, परिवार और समाज मिलकर एक ऐसा माहौल बनाएँ, जिससे हर माँ बिना किसी कठिनाई के अपने शिशु को सुरक्षित और सफलतापूर्वक स्तनपान करा सके। जन्म के छह माह तक हर शिशु को केवल मां के दूध की आवश्यकता होती है। मां का दूध शिशु के लिए वरदान है। मां का दूध शिशु को पोषण व अच्छा स्वास्थ्य देता है तथा शिशु मृत्यु दर और कुपोषण को कम करता है, इसलिए प्रत्येक शिशु के लिए मां का दूध बहुत ही जरूरी और महत्वपूर्ण है। जन्म के तुरंत बाद आने वाला गाढ़ा पीला दूध लिक्विड गोल्ड कहलाता है। इसमें इतने ज्यादा इम्यून सेल्स होते हैं कि इसे बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका (फर्स्ट वैक्सीन) माना जाता है। सच तो यह है कि स्तनपान से मां और बच्चे का डीएनए संवाद संभव हो पाता है।

मां के दूध में प्राकृतिक रूप से एंडोर्फिन और अन्य ऐसे तत्व होते हैं जो बच्चे को दर्द और तनाव से राहत दिलाते हैं। दुनिया भर में चिकित्सक जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करने की सलाह देते हैं तो इसके पीछे विशेष कारण हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पहले 6 महीने तक केवल माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार माना जाता है।स्तनपान से शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा संक्रमण का खतरा कम होता है। इतना ही नहीं, स्वयं माँ के लिए भी स्तनपान लाभकारी है; यह प्रसवोत्तर स्वास्थ्य सुधार और कुछ रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। इतना ही नहीं, यह परिवार की आर्थिक बचत और पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान देता है। दरअसल,माँ का दूध प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होता है, इसलिए शिशु आहार खरीदने की आवश्यकता कम या नहीं पड़ती।और तो और बोतल, निप्पल, स्टेरिलाइजर और अन्य सामान पर होने वाला खर्च बचता है। सच तो यह है कि स्तनपान करने वाले शिशु अपेक्षाकृत कम बीमार पड़ते हैं, जिससे दवाइयों और अस्पताल के खर्च में भी कमी आ सकती है।माँ का दूध बनाने के लिए किसी कारखाने, पैकेजिंग या लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता नहीं होती। यह प्राकृतिक है।इससे प्लास्टिक, टिन और पैकेजिंग कचरा कम उत्पन्न होता है। साथ ही साथ, ऊर्जा, पानी और ईंधन की खपत कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन भी घटता है।इसलिए स्तनपान एक प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ (सस्टेनेबल) विकल्प माना जाता है।

अंत में यही कहूंगा कि स्तनपान की सफलता एक मां के अकेले की यात्रा नहीं है; यह पूरे परिवार, कार्यस्थल और समाज के संयुक्त सहयोग का परिणाम है। यदि समाज सही जानकारी, सम्मान और सुविधाएं प्रदान करे, तो हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त आने वाली पीढ़ी का निर्माण कर सकते हैं।

पश्चिम एशिया में फिर युद्ध का खतरा; क्या दुनिया एक और महाविनाश की ओर बढ़ रही है?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक छोटी-सी चिंगारी पूरे क्षेत्र को भीषण युद्ध की आग में झोंक सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष शुरू होता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से दिए गए कड़े संकेत और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। वहीं ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि उसके रणनीतिक ठिकानों पर हमला हुआ तो उसकी प्रतिक्रिया केवल अपने भूभाग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों और इजरायल को भी इसका सामना करना पड़ सकता है।

युद्ध की भाषा हमेशा विनाश की प्रस्तावना होती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र संवाद की बजाय सैन्य शक्ति पर भरोसा करने लगते हैं तो परिणाम केवल तबाही होता है। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।परमाणु कार्यक्रम पर अविश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार खराब किया है। आर्थिक प्रतिबंध, तेल निर्यात पर रोक, वित्तीय प्रतिबंध और सैन्य दबाव ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अब यदि यह विवाद खुले युद्ध में बदलता है तो उसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय भी होंगे।

आधुनिक युद्धों में केवल सैनिकों पर हमला नहीं किया जाता बल्कि विरोधी देश की आर्थिक रीढ़ को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। ऊर्जा प्रतिष्ठान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। तेल रिफाइनरी, गैस संयंत्र, बिजलीघर और पाइपलाइन किसी राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। यदि इन पर हमला होता है तो केवल ऊर्जा उत्पादन ही प्रभावित नहीं होता बल्कि उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आम नागरिकों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में शामिल है। ऐसे में उसके ऊर्जा ढांचे पर किसी भी प्रकार का हमला वैश्विक तेल बाजार को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील बिंदु होर्मुज जलडमरूमध्य माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।यदि युद्ध की स्थिति में यह मार्ग बाधित होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, विमान ईंधन और बिजली उत्पादन की लागत बढ? से महंगाई तेज होगी। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर क्षेत्र प्रभावित होगा। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है।

भारत पहले भी पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े अभियान चला चुका है। इसलिए किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में भारत को कूटनीतिक और मानवीय दोनों स्तरों पर तैयार रहना होगा। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर हमला होता है तो वह केवल अपने क्षेत्र की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका के अनेक सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कतर, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति लंबे समय से बनी हुई है। यदि इन ठिकानों पर हमले होते हैं तो संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई देश अनचाहे रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं। यही किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष को वैश्विक संकट में बदलने का सबसे बड़ा कारण बनता है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से गहरा तनाव रहा है। दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष और परोक्ष टकराव समय-समय पर सामने आते रहे हैं। यदि अमेरिका किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है तो इजरायल की सुरक्षा स्वतः एक बड़ा मुद्दा बन जाएगी। दूसरी ओर ईरान पहले भी संकेत देता रहा है कि वह इजरायल को अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है। ऐसी स्थिति में पूरा पश्चिम एशिया कई मोर्चों वाले युद्ध का मैदान बन सकता है।तनाव के बीच यह चर्चा भी तेज है कि रूस ईरान को विभिन्न प्रकार की तकनीकी या खुफिया सहायता उपलब्ध करा सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रियाएं भी सीमित रही हैं। फिर भी यदि बड़ी शक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी संघर्ष में शामिल होती हैं तो क्षेत्रीय युद्ध का दायरा और व्यापक हो सकता है।

आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। किसी भी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। युद्ध कभी अचानक नहीं होता। उसके पहले वर्षों तक अविश्वास, आरोप-प्रत्यारोप, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैयारियां और असफल वार्ताएं चलती रहती हैं।दुर्भाग्य यह है कि आज वैश्विक कूटनीति पहले की तुलना में अधिक कमजोर दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं लगातार अपील तो करती हैं, लेकिन महाशक्तियों के सामने उनकी प्रभावशीलता सीमित नजर आती है। यदि संवाद की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी तो सैन्य विकल्प हमेशा अधिक आकर्षक प्रतीत होने लगेंगे। युद्ध का निर्णय नेता लेते हैं लेकिन उसकी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं।बम सैनिक अड्डों पर ही नहीं गिरते, वे अस्पतालों, स्कूलों, घरों और बाजारों को भी प्रभावित करते हैं। लाखों लोग विस्थापित होते हैं, बच्चों की शिक्षा रुक जाती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और वर्षों तक समाज अस्थिर रहता है।इराक, सीरिया, यमन और अफगानिस्तान इसके बड़े उदाहरण हैं, जहां युद्ध समाप्त होने के बाद भी सामान्य जीवन लौटने में वर्षों लग गए। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि सैन्य जीत हमेशा राजनीतिक समाधान नहीं बनती। अफगानिस्तान, इराक, लीबिया और सीरिया के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध शुरू करना अपेक्षाकृत आसान होता है लेकिन शांति स्थापित करना बेहद कठिन।यदि उद्देश्य केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन रह जाए और राजनीतिक समाधान पीछे छूट जाए तो संघर्ष वर्षों तक चलता रहता है।भारत परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है।भारत के अमेरिका से भी मजबूत संबंध हैं और ईरान के साथ भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा ऊर्जा संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं।

ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाए।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही इसलिए हुई थी कि विश्व युद्ध जैसी त्रासदियां दोबारा न हों। आज आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, यूरोपीय संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय होकर दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की दिशा में ठोस पहल करें। यदि कूटनीति विफल होती रही तो दुनिया बार-बार युद्ध के मुहाने पर खड़ी दिखाई देगी।

अमेरिका और ईरान दोनों शक्तिशाली राष्ट्र हैं। दोनों के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी है। विश्व नेतृत्व का अर्थ केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि संयम भी होता है।यदि दोनों देश वार्ता की मेज पर लौटते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया राहत की सांस लेगी।पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है; यह पूरी मानवता की चिंता का विषय है। ऊर्जा संकट, वैश्विक व्यापार, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और करोड़ों लोगों का भविष्य इस संघर्ष से प्रभावित हो सकता है। किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले यह याद रखना होगा कि युद्ध का अंत चाहे जिस रूप में हो, उसकी शुरूआत हमेशा मानवता की हार से होती है। दुनिया पहले ही अनेक संकटों से जूझ रही है। ऐसे समय में एक और व्यापक युद्ध किसी के हित में नहीं होगा। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन की नहीं, बल्कि धैर्य, संवाद, विश्वास और कूटनीतिक समाधान की है। यदि विश्व समुदाय समय रहते सक्रिय नहीं हुआ तो पश्चिम एशिया की यह आग सीमाओं को पार कर वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध जीतने वाले भी अंततः शांति की तलाश में ही लौटते हैं। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि शांति का रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले ही खोज लिया जाए।

दो टूक- हॉकी की जर्सी पर सियासत, मैदान में प्रदर्शन की चुनौती

योगेश कुमार गोयल

वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता।

जर्सी का रंग बदलने से बदलेगी भारतीय हॉकी की तस्वीर?

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित ह्यभगवाकरणह्ल के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड ह्यऑल ब्लैक्सह्ल और ऑस्ट्रेलिया

हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे ह्यखेलों का भगवाकरणह्ल करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सूखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

संक्षिप्त समाचार

जापान में मूल आबादी पहली बार 12 करोड़ से नीचे, घटती जन्मदर चुनौती

टोक्यो, एजेंसी। जापान में रहने वाले मूल जापानी नागरिकों की संख्या 42 वर्षों में पहली बार 12 करोड़ से नीचे आ गई है। देश लगातार घटती जन्मदर, तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और श्रमिकों की कमी जैसी गंभीर जनसांख्यिकीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। वहीं, विदेशी नागरिकों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जो अर्थव्यवस्था की श्रम जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जापान टाइम्स के अनुसार, जापान के आंतरिक मामलों और संचार मंत्रालय के ताजा आंकड़ों में बताया गया है कि एक जनवरी 2026 तक देश में रहने वाले मूल जापानी नागरिकों की आबादी घटकर 11.974 करोड़ रह गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में 0.76 प्रतिशत कम है और 1984 के बाद पहली बार यह संख्या 12 करोड़ से नीचे पहुंची है। वर्ष 2009 में आबादी के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद से जापानी नागरिकों की संख्या लगातार 17 वर्षों से घट रही है।

श्रीलंका जेल संघर्ष : एक कैदी की मौत, सात घायल

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की महारा जेल में कैदियों के बीच संघर्ष हुआ। पुलिस ने बताया कि इसमें एक कैदी की मौत हो गई और सात घायल हो गए। सुरक्षा बढ़ा दी गई और विशेष पुलिस बल तैनात किया गया। जुलाई की शुरुआत में नेगोंबो जेल में भी ऐसा ही संघर्ष हुआ था, जिसमें 33 लोग मारे गए थे।

कोलंबिया में पुलिस अड्डे पर हमला : ईएलएन पर आरोप, 11 अधिकारी घायल

बोगोटा, एजेंसी। एक अगस्त को एक पुलिस अड्डे के बाहर हुए विस्फोट में 11 अधिकारी घायल हुए और एक पुलिस कुत्ता मारा गया। सरकार ने इस हमले के लिए नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) को दोषी ठहराया। यह हमला कुकुटा में हुआ, जो कोलंबिया-वेनेजुएला सीमा पर है। जनरल विलियम रिंकोन ने इसे 'घिनौना आतंकवादी हमला' बताया। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने जानकारी देने वाले को 60,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की पेशकश की। नए राष्ट्रपति एबेलार्डो दे ला एस्प्रीला शांति वार्ता रद्द करने का वादा कर चुके हैं। ईएलएन दशकों से कोलंबिया सरकार से लड़ रहा है।

ट्रेडर्स अब पैसे देकर पहले देख सकेंगे ट्रम्प के पोस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सोशल मीडिया कंपनी ट्रुथ सोशल ने वॉल स्ट्रीट के हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडर्स के लिए ट्रुथ एपीआई नाम की पेड सर्विस शुरू की है। इसके तहत कस्टमर मंथली फीस देकर ट्रम्प और दूसरे अकाउंट्स के पोस्ट तक तेज तकनीकी पहुंच हासिल कर सकेंगे, ताकि वे बाजार में तेजी से ट्रेड कर सकें। आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प के टैरिफ, युद्ध, ब्याज दर और दूसरे नीतिगत फैसलों से शेयर, बॉन्ड और मुद्रा बाजार प्रभावित होते हैं, ऐसे में यह व्यवस्था इनसाइडर ट्रेडिंग और सार्वजनिक पद के निजी लाभ के लिए इस्तेमाल जैसे गंभीर सवाल खड़े करती है। वहीं ट्रम्प मीडिया का कहना है कि पोस्ट सभी के लिए एक ही समय पर जारी किए जाएंगे और सर्विस में कोई अनुचित लाभ नहीं है।

ट्रम्प बोले- ईरान पर हमला फिलहाल टाला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी। ईरान पर हमला टालने के ट्रम्प के फैसले के बावजूद संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन का मानना है कि अगले कुछ दिन तय करेंगे कि तनाव कम होगा या फिर जंग दोबारा भड़क सकती है।

मॉस्को रेस्टोरेंट में होममेड बम से भीषण धमाका, तीन लोगों की मौत और 21 घायल, जांच जारी

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम को एक बहुत ही भयंकर और खौफनाक हादसा सामने आया है। कुदिंस्काया स्क्वायर स्थित एक बहुमंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने मशहूर इटैलियन रेस्टोरेंट बाल्जी रोसी में भीषण धमाका हुआ। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 21 अन्य लोग बहुत बुरी तरह से घायल हुए हैं। रूस की सरकारी मीडिया और स्थानीय मॉस्को पुलिस ने इस बड़े और भयंकर हादसे की पूरी तरह से आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

शुरुआती रिपोर्टों में प्रशासन द्वारा यह आशंका जताई जा रही थी कि यह भयंकर धमाका गैस सिलेंडर फटने की वजह से हुआ है। लेकिन जांच के बाद यह बड़ा खुलासा हुआ कि एक महिला होममेड बम लेकर इस रेस्टोरेंट में पहुंची थी, जिसके फटने से यह भीषण विस्फोट हुआ। घटना में घायल हुए सभी 21 लोगों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक इन घायलों में से कई लोगों की हालत इस समय बेहद नाजुक और बहुत गंभीर बनी हुई है।

रिमोट से किया गया था धमाका : रूसी समाचार पत्र 'कोमर्सेंट' ने अपने विशेष सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बम रेस्टोरेंट की समर टेरेस पर मौजूद मेहमानों को निशाना बनाने के लिए था। ऐसी गंभीर आशंका जताई जा रही है कि इस खतरनाक बम को किसी दूसरे व्यक्ति ने रिमोट कंट्रोल की मदद

से बहुत दूर से उड़ाया था। ऐसा मुमकिन है कि बम ले जा रही उस महिला को यह जानकारी ही न हो कि उसके पास कोई खतरनाक विस्फोटक चीज मौजूद है। पुलिस अब इस खौफनाक आतंकी साजिश के सभी पहलुओं की बहुत ही गहनता और बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है।

प्राइवेट इवेंट के कारण बची जान : रेस्टोरेंट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को एक प्राइवेट इवेंट होने की वजह से इसे आम ग्राहकों के लिए पूरी तरह से बंद रखा गया था। अधिकारियों का साफ मानना है कि अगर यह रेस्टोरेंट आम लोगों के लिए खुला होता, तो मौतों की यह संख्या बहुत ज्यादा बड़ी हो सकती थी। धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब आठ बजे से ठीक पहले हुआ, जिसमें बम ले जा रही महिला और रेस्टोरेंट के सिक्योरिटी गार्ड की जान चली गई। इसके अलावा वहां मौजूद एक अन्य निर्दोष ग्राहक ने भी इस भयंकर धमाके की चपेट में आकर मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इलाके को किया गया पूरी तरह सील : मॉस्को जांच समिति के मुताबिक तमाम जांच अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और इमरजेंसी सर्विसेज की विशेष टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सरकारी समाचार एजेंसी ने एक वीडियो जारी करके दिखाया है कि पूरे इलाके की घेराबंदी करके भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने आम जनता के लिए उस पूरे प्रभावित इलाके को फिलहाल पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुलिस लगातार सबूत जुटा रही है ताकि इस खौफनाक बम धमाके के असली कारणों का पता लगाया जा सके।

अज्ञात महिला ने की थी रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश : सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने बताया कि रूस की आतंकवाद-रोधी समिति के अनुसार, एक अज्ञात महिला ने रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश की लेकिन एक सुरक्षा गार्ड ने उसे रोक दिया। एजेंसी ने कहा कि इसके बाद हुए धमाके में वह महिला, सुरक्षा गार्ड और बाल्जी रॉसी इटैलियन रेस्टोरेंट का एक ग्राहक मारा गया। पुलिस ने बताया कि घायलों को अलग-अलग गंभीरता की चोटें आईं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने घटनास्थल पर भारी हथियारों से लैस सुरक्षा अधिकारियों का वीडियो जारी किया। उस इलाके को आम जनता के लिए बंद कर दिया गया था।

मारे गए और घायल लोगों की पहचान नहीं की गई उजागर : अधिकारियों ने मारे गए या घायल हुए लोगों के नाम नहीं बताए और न ही यह बताया कि उनके हिसाब से इसके लिए कौन जिम्मेदार हो सकता है। यूक्रेन के साथ चार साल से ज्यादा समय से चल रही पूरी लड़ाई के बाद रूस की एफएसबी सिक्योरिटी सर्विस ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि कीव पर कई हत्याओं और हत्या की कोशिशों के आरोप लगने के बाद अधिकारी बड़े मिलिट्री अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाएंगे। कोमर्सेंट डेली अखबार ने अपने ही सोर्स का हवाला देते हुए कहा कि बम का मकसद रेस्टोरेंट के समर टेरेस के बाहर मजे कर रहे मेहमानों को घायल करना और मारना था। इससे पता चलता है कि बम किसी और ने दूर से ही फोड़ दिया था और उसे ले जा रही महिला को शायद यह नहीं पता था कि यह एक एक्सप्लोसिव डिवाइस है।

अमेरिका: इडाहो के रेस्तरां में अंधाधुंध गोलीबारी, हमलावर समेत तीन लोगों की मौत; दो घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इडाहो राज्य के ट्विन फॉल्स शहर से गोलीबारी की घटना सामने आई है, जहां एक एक फास्ट-फूड रेस्तरां में एक बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में हमलावर समेत कम से कम तीन लोगों की मारे जाने की खबर है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्विन फॉल्स शहर के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। हमलावर ने यहां के फेमस 'इन-एन-आउट बर्गर' रेस्तरां में गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस घटना में मारे गए तीन लोगों में हमलावर शामिल था या नहीं।

गोलीबारी के बाद अफरा-तफरी का माहौल : दरअसल, पश्चिमी अमेरिकी राज्य इडाहो ट्विन फॉल्स शहर स्थित रेस्तरां में जब गोलीबारी हुई तो, वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान कई लोगों को गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स पुलिस विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। इस गोलीबारी में कम से कम लोगों की मौत की खबर है। हालांकि, पुलिस अभी पीड़ितों और मृतकों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटी हुई है।

कम से कम 3 लोगों की मौत : ट्विन फॉल्स शहर के अधिकारी जोश पामर के अनुसार, इस घटना में तीन लोग मारे गए और दो घायल हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि हमलावर को भी मृतकों में गिना गया था या नहीं। स्थानीय मीडिया द्वारा वायरल हो रहे वीडियो फुटेज में इन-एन-आउट बर्गर के बाहर एक युवक को लंबी बंदूक के साथ देखा गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में एक दर्जन से अधिक लोगों को रेस्तरां से बाहर भागते हुए दिखाया गया।

पुलिस ने किया ढेर : इस अचानक हुई भयंकर वारदात की खबर मिलते ही भारी पुलिस बल ने तुरंत पहुंचकर पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी घेराबंदी कर ली। पुलिस अधिकारियों ने उस हथियारबंद हमलावर को बहुत ही शांति से सरेंडर करने के लिए बार-बार कहा, लेकिन उसने लगातार अपनी फायरिंग जारी रखी। इसके बाद लोगों के बचाव में पुलिस द्वारा की गई कड़ी जवाबी कार्रवाई में वह सिरफिरा हमलावर गोली लगने से मौके पर ही मारा गया। सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में वह शख्स रेस्तरां के सामने अत्याधुनिक ऋस्टाइल की राइफल लहराता दिख रहा है। एक अन्य वीडियो में वही शख्स पार्किंग लॉट में निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाता हुआ बहुत ही साफ तौर पर नजर आ रहा है। गोलीबारी शुरू होते ही शॉपिंग सेंटर के पूरे इलाके में भगदड़ मच गई और डरे हुए लोग अपनी जान बचाने के लिए बुरी तरह से इधर-उधर भागने लगे। भयंकर गोलीबारी की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स के मुस्तैद पुलिस विभाग ने बहुत ही तेजी के साथ अपनी इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

नेपाल हिंसा : धनुषा से हटी निषेधाज्ञा, जनजीवन हो रहा सामान्य

काठमांडू। नेपाल में बीते हफ्ते भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब धीरे-धीरे शांति लौट रही है। इसी कड़ी में, धनुषा जिले के जनकपुरधाम और आसपास के इलाकों में लागू निषेधाज्ञा सोमवार सुबह 5 बजे से हटा दी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य होने और विभिन्न प्रदर्शनकारी समूहों द्वारा अपने सभी विरोध प्रदर्शनों को वापस लेने के बाद महत्वपूर्ण फैसला हुआ। धनुषा के मुख्य जिला अधिकारी की ओर से जारी सूचना के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई, इसके बाद जिला सुरक्षा समिति की बैठक में निषेधाज्ञा हटाने का निर्णय हुआ। गौरतलब है कि लोकल प्रशासन ने 1 अगस्त को क्षेत्र में संभावित तनाव और बिगड़ते हालात को देखकर यह निषेधाज्ञा लागू की थी। अब जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और लोगों की दैनिक गतिविधियां पहले की तरह शुरू हो गई हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। हालांकि, सांप्रदायिक हिंसा की जांच के दौरान कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। नेपाल प्रेस काउंसिल ने पाया कि कुछ मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया ने भ्रामक व सांप्रदायिक सामग्री प्रसारित कर हिंसा और तनाव को बढ़ावा दिया। सुनसरी जिले के देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका-3 के कप्तानगंज में पत्रकारिता आचार संहिता के उल्लंघन के 90 ऐसे मामलों की पहचान की गई। यह भी पता चला कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल ने कमाई के लालच में विवादित सामग्री हटाने से इंकार किया था, जिससे धार्मिक और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा। यह पूरा विवाद 26 जुलाई की रात सुनसरी के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच मामूली झड़प के बाद शुरू हुआ था। इस दौरान पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए। बाद में एक और घायल व्यक्ति की जान चली गई। तनाव सुनसरी से निकलकर सिराहा और जनकपुर तक फैल गया, जिसमें सिराहा में भी हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हुई। कुल मिलाकर तीन लोगों की जान गई। प्रशासन अब ऐसी भड़काऊ गतिविधियों से दूर रहने की अपील कर रहा है।

पीओके में कत्लेआम की रिपोर्टिंग पर पाबंदी: पाकिस्तान ने विदेशी मीडिया पर लगाई रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी भीषण विरोध प्रदर्शनों और हिंसा की रिपोर्टिंग के बाद, शहबाज शरीफ सरकार ने कथित तौर पर विदेशी मीडिया सहित कई प्रमुख डिजिटल समाचार वेबसाइटों पर रोक लगा दी है। यह कदम तब उठाया गया है जब आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना पर पीओके में कत्लेआम मचाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीओके में प्रदर्शनों, सुरक्षा बलों की कार्रवाई और बिगड़ते हालात की कवरेज के बाद इन अंतरराष्ट्रीय और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को पाकिस्तान में एक्सेस नहीं किया जा रहा है। इस शाहबाज सरकार द्वारा अपने नैरेटिव पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यह सेंसरशिप

कोई नई बात नहीं है। इससे पहले, विदेशी मीडिया ने ही रिपोर्ट किया था कि इस्लामाबाद की एक अदालत में पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनसीसीआईए) ने कई यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक करने की मांग की थी। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, विपक्षी नेताओं और सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों से जुड़े चैनल शामिल बताए गए थे। यूट्यूब ने तब 27 कंटेंट क्रिएटर्स को अदालत के निर्देशों का पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। इसी बीच, पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसीके जोरदार प्रदर्शन जारी हैं। समिति ने कुछ वीडियो जारी कर दावा किया है कि मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों ने एक निहत्थे व्यक्ति के साथ मारपीट की और सादे कपड़ों में मौजूद एक व्यक्ति ने प्रदर्शनकारियों की ओर गोली चलाई। जेएएसी ने इन आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग कर संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार संगठनों जैसे ओएचसीएचआर, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच, आईसीआरसी और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। मानवाधिकार परिषद पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू और कश्मीर के हवाले से दावा किया गया है कि मौजूदा अशांति के दौरान अब तक लगभग 80 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 76 नागरिक और चार पुलिसकर्मी शामिल बताए गए हैं। हालांकि, इन दावों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पीओजेके में दूसरे चरण के चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, सड़क जाम और प्रशासनिक अव्यवस्था की खबरें सामने आई थीं, जिसने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

समुद्र में 1600 फीट की 'दीवार' बनाएगा स्पेन, मोरक्को से अवैध घुसपैठ के बाद अलर्ट

मैड्रिड, एजेंसी। मोरक्को से घुस आए अवैध प्रवासियों के चलते स्पेन में काफी समस्या हुई है। अब स्पेन ने इससे निपटने के लिए नया तरीका इस्तेमाल करने का फैसला किया है। स्पेन ने घोषणा की है कि वह अपने उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र स्यूटा और पड़ोसी मोरक्को के बीच समुद्री सीमा पर 500 मीटर लंबा (1,600 फीट) बैरियर बनाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सेउटा के तटीय इलाके में ताराजल ब्रेकवॉटर के पास एक तैरता हुआ अवरोध लगाया गया था। गौरतलब है कि मोरक्को के साथ लगती स्पेन के सेउटा सीमा पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेन सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ब्रेकवॉटर बैरियर को पार कर गए : स्पेन सरकार ने कहाकि मृतकों में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं जो डूब गए और कुछ 'ब्रेकवॉटर बैरियर' को पार करने की भगदड़ में मारे गए। स्पेन के प्रधानमंत्री

पेड्रो सांचेज ने सेउटा की घटनाओं पर यूरोपीय संघ के कुछ नेताओं की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहाकि स्पेन को यूरोपीय संघ के सीमा-रहित शेंगेन क्षेत्र से निलंबित करने की मांग पूर्वाग्रह, फर्जी खबरों, अज्ञानता या राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। शनिवार सुबह तैरकर सेउटा के ताराजल तट पर पहुंचे कुछ थके-हारे प्रवासियों को सैनिकों ने सीमा के पार वापस भेज दिया। स्पेन के गृह मंत्रालय का कहना है कि उत्तरी अफ्रीका में स्पेन के इलाके में दाखिल होने वालों में ज्यादातर लोग पहले ही मोरक्को लौट चुके हैं। स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का ने शनिवार को सेउटा में पत्रकारों से कहाकि हम कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आते हैं। जब यह सवाल पूछा गया कि दोनों तरफ कड़ी सुरक्षा के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में लोग सीमा कैसे पार कर पाए और क्या मोरक्को से सेउटा को कोई खतरा है, तो मार्लास्का ने रबात में मौजूद सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहाकि इन घटनाओं का स्पेन और मोरक्को को मिलकर जायजा लेने की जरूरत है। लेकिन पड़ोसी देशों के साथ सहयोग की वजह से ही स्पेन 24 घंटे में हालात को सामान्य कर पाया। उधर, इटली ने स्पेन से आने वाले यात्रियों पर अस्थायी रूप से सीमा पर जांच शुरू कर दी है। फ्रांस ने भी अपनी सीमाओं पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री सांचेज ने यूरोपीय संघ के गृह मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का भी आह्वान किया है। करीब 84,000 की आबादी वाले सेउटा शहर पर इस अचानक आए दबाव के कारण स्पेन और पूरे यूरोप में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इटली ने हवाई और समुद्री मार्ग से स्पेन से आने वाले गैर-यूरोपीय संघ के नागरिकों की जांच शुरू कर दी है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि यूरोपीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए यह कदम आवश्यक था।

पेरू में टूरिस्ट प्लेन क्रैश, क्रू समेत 13 की मौत:सभी 11 पर्यटक यूरोप से थे

नाज्का, एजेंसी। पेरू के नाज्का शहर के पास शनिवार को एक टूरिस्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 11 यूरोपीय पर्यटकों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 इटली, 2 स्पेन और 2 जर्मनी के पर्यटक शामिल हैं। विमान के पायलट और को-पायलट की भी जान चली गई। यह विमान इका शहर से उड़ान भरकर पर्यटकों को 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स दिखाने जा रहा था। नाज्का लाइन्स के पास पहुंचने के बाद प्लेन खेत में जाकर गिरा। इसमें आग लग गई। हादसे के बाद प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे। पेरू सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति केइको फुजीमोरी ने घटना पर दुख जताया है और नाज्का एयरपोर्ट का संचालन अस्थायी रूप से रोकने पर भी विचार किया जा रहा है।

14 साल से सीनिक फ्लाइट्स ऑर्गनाइज कर रही थी कंपनी : जो प्लेन हादसे का शिकार हुआ, उसे पेरू की कंपनी 'एरोडियाना' ऑपरेट कर रही थी। एयरलाइन की वेबसाइट के मुताबिक, वह पिछले 14 साल से सेसना ग्रैंड कारवां प्लेन का इस्तेमाल करके नाज्का लाइन्स के ऊपर सीनिक फ्लाइट्स (नजारे दिखाने वाली उड़ानें) की सुविधा दे रहे हैं। हादसे की जांच की जा रही है। एरोडियाना ने कोई कमेंट नहीं दिया।

नाज्का लाइन्स क्या हैं : पेरू की राजधानी लीमा से करीब 400 किमी दक्षिण में नाज्का और पाल्पा के रेगिस्तान में 2,000 साल पुरानी विशाल आकृतियां बनी हैं। माना जाता है कि इन्हें 200 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी के बीच नाज्का सभ्यता के लोगों ने बनाया था। गहरे रंग की पत्थरीली सतह हटाकर नीचे की हल्की मिट्टी को उभारने से ये आकृतियां बनाई गईं।

इनमें बंदर, हमिंगबर्ड, मकड़ी, कोंडोर, व्हेल, पेड़ और हाथ जैसी दर्जनों आकृतियां शामिल हैं। कई आकृतियां 100 से 300 मीटर या उससे भी बड़ी हैं, जबकि कुछ सीधी रेखाएं कई किलोमीटर तक फैली हैं।

इन्हें देखने लोग क्यों आते हैं : नाज्का लाइन्स का पूरा आकार जमीन से दिखाई नहीं देता। इन्हें साफ तौर पर केवल विमान, हेलिकॉप्टर, व्यूइंग टावर या आसपास की ऊंची पहाड़ियों से देखा जा सकता है।

यही वजह है कि हर साल हजारों पर्यटक सीनिक फ्लाइट लेकर इन्हें देखने पहुंचते हैं। वैज्ञानिक आज भी इनके उद्देश्य पर एकमत नहीं हैं। इन्हें धार्मिक अनुष्ठानों, जल स्रोतों, खगोलीय गणनाओं या सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़कर देखा जाता है। बेहद शुष्क जलवायु के कारण ये आकृतियां करीब 2,000 साल से सुरक्षित हैं।

नाज्का में पहले भी हो चुके हैं हादसे : पिछले कुछ दशकों में इस मशहूर हैरिटेज साइट पर विमान दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है।

2022 में एक और छोटा पर्यटक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। 2010 में भी एक पर्यटक विमान इसी जगह के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान में सवार छह लोगों की मौत हो गई।

बारिश से बेहाल पाकिस्तान: शहरों में बाढ़ जैसे हालात, बांध टूटे, बिजली ठप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लगातार हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश ने राजधानी इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर और अटक समेत कई इलाकों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई शहरों में सड़कें पानी में डूब गई हैं, घरों और दुकानों में बारिश का पानी घुस गया है, बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और कई जगहों पर सड़कें व छोटे बांध भी टूट गए हैं। मौसम विभाग ने पांच अगस्त तक भारी बारिश, शहरी बाढ़ और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की चेतावनी जारी की है।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी में सड़कें बनीं नदी : शुक्रवार तड़के हुई तेज बारिश के बाद इस्लामाबाद और रावलपिंडी के कई इलाके जलमग्न हो गए। मूरी रोड, कचहरी चौक और पेशावर रोड जैसी प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। भारा काहू इलाके में करीब दो फीट तक पानी भर गया। कई वाहन बीच सड़क में फंस गए और बारिश का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। स्थानीय निवासी मोहम्मद अकरम अब्बासी ने बताया कि हालात इतने खराब थे कि लोगों को खुद लाउडस्पीकर से बच्चों को घरों के अंदर रहने की अपील करनी पड़ी, जबकि तत्काल कोई सरकारी मदद नहीं पहुंची।

लेह नाले का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट : रावलपिंडी के लेह नाले का जलस्तर बढ़कर करीब 10 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी कर दिया। बारिश के दौरान कई निचले इलाकों में पानी भर गया और लोगों में दहशत फैल गई। स्थिति को और खराब बनाने में अधूरे विकास कार्य भी जिम्मेदार रहे। वॉटर एंड सैनिटेशन एजेंसी की ओर से सैदपुर रोड और असगर मॉल रोड पर की गई खुदाई के कारण सड़कें खतरनाक हो गईं। वहीं, बिजली वितरण कंपनी आईईएससीओ ने सुरक्षा कारणों से कई इलाकों की बिजली काट दी, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गईं।

अटक में बांध टूटा, कई परिवारों का सब कुछ बर्बाद : अटक जिले के पिंडिघेब कस्बे में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां मल्लाहवाला गंडा कास नाम का

छोटा बांध तेज बारिश के कारण ओवरफ्लो हो गया और उसका तटबंध टूट गया। इसके बाद बाढ़ का पानी कमरियाल और गुंडकास जैसे निचले इलाकों में फैल गया।

स्थानीय लोगों ने क्या-क्या कहा : दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हो गए और कई परिवारों को अपनी छतों पर शरण लेनी पड़ी। किराना दुकानदार मोहम्मद असलम ने बताया कि गंदे पानी के तेज बहाव में उनकी दुकान का अधिकांश सामान खराब हो गया। व्यापारी रशीद महमूद ने कहा कि दुकान में पानी घुसने से ब्रेड, केक, बिस्कुट, रस्क समेत पूरा बेकरी सामान खराब हो गया। फ्रिज, डिस्प्ले काउंटर और अन्य बिजली के उपकरण भी नुकसान की चपेट में आ गए। स्थानीय निवासी शाज़िया बीबी ने बताया कि उनके घर का फर्नीचर, बिस्तर, कपड़े, घरेलू उपकरण और जरूरी दस्तावेज पानी में खराब हो गए। वहीं, अब्दुल कदीर ने कहा कि घर की दीवारों में नमी आ गई है और उनके गिरने का खतरा बना हुआ है।

पेशावर में 120 लोगों को सुरक्षित निकाला गया : पेशावर में शुक्रवार सुबह हुई भारी बारिश के बाद बुधनी नाला उफान पर आ गया। इसके चलते सरदार कॉलोनी पूरी तरह पानी में डूब गई और वहां रहने वाले लोग घरों में फंस गए। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि 40 बचावकर्मियों और चार वाहनों की मदद से 120 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा वारसाक रोड के खुशहाल बाग इलाके से पांच अन्य लोगों को भी बचाया गया। साफिया होम्स और नासिर बाग रोड पर भी राहत दल भेजे गए, हालांकि वहां लोगों को निकालने की जरूरत नहीं पड़ी।

बीआरटी सेवा बंद, 84 बिजली फीडर ठप : बुधनी ब्रिज पर पानी बढ़ने के बाद पेशावर बस रैपिड ट्रांजिट (बीआरटी) सेवा पूरी तरह बंद कर दी गई। इससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश और तेज हवाओं के कारण पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी के 84 बिजली फीडर भी बंद हो गए। इनमें पेशावर के 41, खैबर के 22, मर्दान के 12, स्वाबी के 5 और स्वात के 4 फीडर शामिल हैं। बिजली आपूर्ति ठप होने से कई जिलों में लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ा।

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं एलोवेरा जेल, त्वचा को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

दादी-नानी के जमाने से एलोवेरा जेल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। आइए एलोवेरा जेल लगाने के कुछ कमाल के स्किन बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद एलोवेरा जेल

क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है? अगर आप सही तरीके से एलोवेरा जेल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं, तो आप अपनी स्किन को फ्लॉलेस बना सकते हैं। हर रोज रात में सोने से पहले फेस वॉश कीजिए और फिर साफ चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाइए। महज कुछ ही हफ्तों के अंदर आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सुधारे चेहरे की रंगत

एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी त्वचा की डीप क्लीनिंग करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हर रोज एलोवेरा जेल यूज करने से त्वचा की रंगत काफी हद तक सुधर सकती है। अगर आप अपनी डल स्किन से छुटकारा पाना चाहते हैं और अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो हर रोज एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना शुरू कर दीजिए।

दूर हो जाएंगे दाग-धब्बे

क्या आपके चेहरे पर अक्सर दाग-धब्बे या फिर मुंहासे निकल आते हैं? अगर हां, तो आपको अपने स्किन केयर रूटीन में एलोवेरा जेल को जरूर शामिल करना चाहिए। औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा जेल दाग-धब्बे और मुंहासे की समस्या को दूर करने में असरदार साबित हो सकता है। इसके अलावा एलोवेरा जेल टैनिंग की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकता है।

त्वचा के लिए वरदान

रेगुलरली एलोवेरा जेल यूज करके झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम किया जा सकता है। जलन और खुजली जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए भी एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा जेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा के लिए वरदान साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि एलोवेरा जेल फ्रेश और केमिकल फ्री होना चाहिए।

दीवार और छत की काई हटाने का आसान तरीका, ये 4 घरेलू नुस्खे हैं फायदेमंद

जब बारिश का मौसम आता है तो ठंडी हवा और हरियाली से हर कोई खुश हो जाता है। बारिश की वजह से वातावरण में सुकून और ताजगी भी महसूस होती है। लेकिन कुछ ही दिनों में यही बारिश कई तरह की परेशानियां लेकर आती है। उन परेशानियों में से एक बड़ी समस्या है घर की दीवारों और छतों पर काई लगना। हरे रंग की काई न केवल देखने में खराब लगती है, बल्कि दीवारों को नुकसान भी पहुंचाती है। इसके अलावा काई फिसलन भरी होती है, जिससे गिरने का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर लोग इस समस्या से निजात पाने के लिए नींबू और नमक का देसी नुस्खा इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कुछ और घरेलू उपाय हैं जिनकी मदद से आप घर की दीवारों और छतों की काई आसानी से साफ कर सकते हैं।

नींबू और नमक का देसी नुस्खा

नींबू और नमक का पेस्ट बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले एक कटोरे में नींबू का रस लें और उसमें नमक डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सीधे काई वाली जगह पर अच्छी तरह लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि नींबू का एसिड और नमक का खुरदुरापन काई को ढीला कर सके। अब एक कड़े ब्रश या स्क्रबर की मदद से अच्छी तरह रगड़कर काई को साफ करें। इसके बाद पानी से धो लें। यह तरीका बहुत प्रभावी होता है क्योंकि नींबू का एसिड और नमक मिलकर काई को हटाने में मदद करते हैं।

बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट

अगर आप कोई और तरीका अपनाना चाहते हैं तो बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट भी बहुत अच्छा काम करता है। इसके लिए बेकिंग सोडा और विनेगर को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। यह पेस्ट लगाने पर झाग बनेगा, जो सामान्य है। इसे काई वाली जगह पर 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक ब्रश की मदद से रगड़कर पानी से साफ कर लें। विनेगर में मौजूद एसिटिक एसिड और बेकिंग सोडा के क्षारीय गुण मिलकर काई को असरदार तरीके से हटाते हैं।

ब्लीच और पानी का घोल

ब्लीच काई और फंगस को मारने के लिए सबसे तेज़ और असरदार तरीका है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतनी बहुत जरूरी है। एक बाल्टी में 1 हिस्सा ब्लीच और 3-4 हिस्से पानी मिलाकर घोल तैयार करें। इसे स्प्रे की मदद से या ब्रश से काई वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। ध्यान रखें कि ब्लीच लगाते समय दस्ताने और मास्क जरूर पहनें ताकि आपकी त्वचा और सांस सुरक्षित रहे।

टी ट्री ऑयल और पानी का स्प्रे

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटी-फंगल है, जो हल्की काई के लिए बहुत कारगर है। इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी लें और उसमें 10-15 बूंदें टी ट्री ऑयल डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और फिर इस मिश्रण को काई वाली जगह पर छिड़क दें। छिड़काव के बाद इसे सूखने दें। इस प्रक्रिया में रगड़ने या धोने की जरूरत नहीं होती। टी ट्री ऑयल धीरे-धीरे काई को बढ़ने से रोकता है और खत्म भी कर देता है।

डिटर्जेंट और गर्म पानी

अगर काई मामूली हो तो डिटर्जेंट और गर्म पानी का घोल भी एक आसान और असरदार उपाय है। एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें कोई भी लॉन्ड्री डिटर्जेंट या डिशवॉश लिक्विड डालकर घोल बनाएं। इस घोल को काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश से लगाएं। 15-20 मिनट बाद ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। डिटर्जेंट गंदगी और चिकनाई को ढीला करने में मदद करता है, जिससे काई आसानी से हट जाती है।

सावधानियां और सुझाव

काई साफ करते समय हमेशा दस्ताने पहनें ताकि हाथों को नुकसान न पहुंचे।

ब्लीच या विनेगर जैसे तेज़ रसायनों का इस्तेमाल खुली हवा में करें।

अगर दीवारें बहुत ज्यादा खराब हो गई हैं तो पेशेवर मदद लेना बेहतर होता है।

नियमित सफाई से भी काई लगने से बचाव हो सकता है।

बारिश के मौसम में काई की समस्या को नजरअंदाज न करें। ऊपर बताए गए ये घरेलू नुस्खे आजमाकर आप अपने घर की दीवारों और छत को साफ और सुरक्षित रख सकते हैं। इससे आपका घर सुंदर दिखेगा और गिरने-फिसलने का खतरा भी कम होगा।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

एक साथ देती है कई फायदे, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं। सबसे खास बात, अलसी के बीजों से बना जेल बालों की कोशिकाओं को खोलकर उनके विकास को बढ़ावा देता है। आइए, जानते हैं इसके फ़ायदे और इसे बनाने का तरीका।

बालों के लिए अलसी के जेल के फ़ायदे

झड़ते बालों में फ़ायदेमंद : अलसी के बीज विटामिन ई का एक बड़ा स्रोत हैं, जो बालों के विकास में मदद करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को झड़ने से रोकते हैं और स्कैल्प को नुकसान से बचाते हैं।

बालों को पोषण देता है : अलसी ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। ये फैटी एसिड बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। सबसे पहले, ये फैटी एसिड बालों के रोमछिद्रों को पोषण देते हैं और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे बाल कम खराब होते हैं और स्वस्थ रहते हैं। पीएच स्तर को संतुलित रखता है : तेज़ी से बाल बढ़ाने के लिए स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित रखना बहुत ज़रूरी है। अलसी का जेल इसमें आपकी मदद कर सकता है और स्कैल्प को शांत करता है। यह तेल बनाने वाली ग्रंथियों को प्रभावित करता है, जिससे सही मात्रा में तेल बनता है और बाल स्वस्थ रहते हैं। इससे बाल तेज़ी से बढ़ने लगते हैं।

अलसी का जेल कैसे बनाएं?

बालों के लिए अलसी का यह जेल आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। बस इन बातों का ध्यान रखें। एक बर्तन में 2 कप साफ़ पानी और आधा कप अलसी के बीज डालकर, गाढ़ा होने तक उबालें। जब यह गाढ़ा होने लगे, तो 1-2 टेबलस्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब यह जेल जैसा दिखने लगे, तो आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर यह और गाढ़ा हो जाएगा। ठंडा होने के बाद, आप इस जेल को एक कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं। इस अलसी के हेयर जेल को बालों में लगाएं।

जन सुनवाई में 31 शिकायतें दर्ज, 14 का मौके पर निस्तारण

मुख्य विकास अधिकारी ने समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कार्यालय सभागार कक्ष में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 31 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 14 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को त्वरित निस्तारण हेतु प्रेषित किया गया।

जन सुनवाई के दौरान फरियादियों ने अपनी समस्याएं मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष रखीं। आगर गांव की पूनम देवी ने बताया कि वह गरीब महिला हैं और उनके पास कच्चा आवास है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ दिए जाने की मांग की। उरोली निवासी बृजमोहन काला ने अपने आवासीय भवन की सुरक्षा की गुहार लगाई। क्यूंजा गांव के विक्रम लाल ने भू-धंसाव के कारण अपने आवासीय भवन के आगे-पीछे सुरक्षा दीवार बनवाने की मांग की। रतूडा की बबीता देवी ने रेलवे निर्माण से आवास क्षतिग्रस्त होने के चलते अन्यत्र विस्थापन के लिए प्रार्थना पत्र सौंपा। सतेराखाल के वीर सिंह ने कहा कि उनके मकान के ऊपर भीमल का पेड़ गिरने का खतरा बना हुआ है, लिहाजा सुरक्षा की दृष्टि से उसे कटवाने की अनुमति दी जाए। दरमोला के विक्रम लाल ने बताया कि 29 जुलाई को हुई भारी बारिश से सड़क का पुश्ता ढह गया, जिससे सड़क किनारे लगी उनकी ठेली और सारा सामान खाई में गिर गया। इससे उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। इस तरह कुल 31 समस्याएं दर्ज की गई। जिनमें 14 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं शेष को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन सुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और निर्धारित समयावधि में उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग सोहन सिंह सैनी, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारूल गोयल, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश मिश्रा, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा, शिकायत प्रकोष्ठ प्रभारी विनोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व शिकायतकर्ता मौजूद रहे।

प्रो. काला, डॉ. बिजलवाण और भद्री पीएचएफ पिन से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : रोटरी क्लब अलकनंदा वैली (रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080) का छठा अधिष्ठापन समारोह मलेथा में आयोजित किया गया। समारोह में रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए धनेश उनियाल ने अध्यक्ष तथा अजय प्रकाश जोशी ने सचिव पद की जिम्मेदारी संभाली। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. रीता कालरा ने दोनों पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुआ। इस दौरान प्रतिष्ठित व्यवसायी सुमन जोशी और रेनबो कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज के निदेश-ाक रिद्धिश उनियाल को क्लब की सदस्यता दिलाई गई। डॉ. रीता कालरा ने क्लब को नए सामाजिक प्रोजेक्ट उपलब्ध कराने की घोषणा की।

इस मौके पर प्रो. एसपी काला, डॉ. सुनील बिजलवाण और ई. सोहन लाल भद्री को पीएचएफ पिन से सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि श्रीनगर की महापौर आरती भंडारी ने सहयोग का भरोसा दिलाया। संचालन सीए वेदव्रत शर्मा ने किया। इस मौके पर शालिनी पटवाल, लखपत भंडारी, प्रबोध घिल्डियाल, प्रो. एआर डंगवाल, प्रो. वाईपी रैवानी, प्रो. वाईएस फर्स्वाण, अनुज जोशी, रश्मि रावत, उमा घिल्डियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

उत्कृष्ट कार्यों के लिए इन्हें मिला सम्मान

समारोह में रोटरी वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट कार्यों के लिए क्लब और उसके सदस्यों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें डॉ. सुनील बिजलवाण को स्टार प्रेसिडेंट (जोन-20), नवल किशोर जोशी को बेस्ट सेक्रेटरी, आरती जोशी को बेस्ट को-पायलट, प्रो. एसपी. काला को आउटस्टैंडिंग रोटेरियन अवार्ड, सीपी जुगरान को आरवाईएलए अवार्ड, डॉ. वरुण बड़थ्वाल को जोनल रिकॉग्निशन अवार्ड तथा पूनम जोशी को मोस्ट एक्टिव रोटेरियन सम्मान मिला। क्लब को भी सर्वश्रेष्ठ आरवाईएलए, अधिकतम टीआरएफ योगदान, सर्वश्रेष्ठ वाटर कूलर प्रोजेक्ट और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस परियोजना सहित कई पुरस्कार मिले।

संक्षिप्त समाचार

अलकनंदा नदी में बह रही सीवर की गंदगी, श्रद्धालु परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के न्यू कमलेश्वर मोहल्ले में क्षतिग्रस्त सीवर चैंबर से निकल रही गंदगी पिछले दो सप्ताह से सीधे अलकनंदा नदी में बह रही है। इससे मोहल्ले में दुर्गंध फैल रही है। पास में ही गंगा आरती होने के कारण श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी शिवदत्त नैथानी, गणेश पुरी, दलबीर सिंह और प्रिंस गिरी ने बताया कि चैंबर टूटने के बाद से सीवर की गंदगी लगातार नदी में जा रही है, लेकिन मरम्मत नहीं की गई। एक ओर अलकनंदा की आरती कर स्वच्छता का संदेश दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर सीवर की गंदगी नदी में बह रही है। प्रिंस गिरी ने बताया कि गंगा आरती स्थल कुछ ही दूरी पर है। आरती के समय भी आसपास दुर्गंध फैलने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को दिक्कत हो रही है। जल संस्थान की कनिष्ठ अभियंता रश्मि शाह ने बताया कि नदी का जलस्तर बढ़ा होने के कारण चैंबर तक पहुंचने में परेशानी आ रही है। चैंबर तक जाने का रास्ता नदी की ओर से है। जलस्तर कम होते ही मरम्मत कार्य शुरू करा दिया जाएगा। (एजेंसी)

दुखों को हर लेते है महादेव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सुखरो देवी मंदिर समिति की ओर से आयोजित शिव महापुराण कथा में आचार्य गणेश प्रसाद ममगाई ने शिव की महिमा के बारे में बताया। कहा कि भगवान शिव अपने भक्तों के कष्ट हर लेते हैं। कथा के दौरान उन्होंने केदारनाथ की कथा का भी श्रवण करवाया। इस दौरान पूरा पंडाल हर-हर महादेव के जयकारों से गूज उठा। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष राजाराज अण्थ्वाल, मोहन सिंह रावत, विजय ध्यानी, वीरेंद्र सिंह रावत, सत्यप्रकाश भारद्वाज, विपिन बड़थ्वाल, रविंद्र सिंह रावत, विजय रावत, मनोज द्विवेदी, सुदामा प्रसाद अमोली, अर्जुन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

भरसार विश्वविद्यालय के लिए 33.54 करोड़ स्वीकृत

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में शिक्षा, पेयजल एवं धार्मिक पर्यटन से जुड़ी विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 150 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली, उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार के लिए राज्य आकस्मिकता निधि से 33.54 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र देवप्रयाग के अंतर्गत विकासखण्ड कीर्तिनगर स्थित खोलाकडाकोट में डुण्डेश्वर महादेव मंदिर का सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 1.05 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद चम्पावत की चम्पावत शाखा के अंतर्गत विकासखण्ड लोहाघाट में पाऊ पम्पिंग योजना के सुदृढ़ीकरण हेतु 2.69 करोड़ तथा केन्द्रपोषित अमृत 2.0 योजनान्तर्गत सहस्त्रधारा पेयजल योजना हेतु 113.15 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

उचित दाम न मिलने से खेतों में सड़ रही टमाटर की 50 फीसदी फसल

नौगांव (उत्तरकाशी)। मंडी में उचित दाम नहीं मिलने से रवांई घाटी में काश्तकारों की टमाटर की 50 प्रतिशत से भी अधिक फसल खेतों में ही पक कर खराब हो रही है। सही दाम नहीं मिलने और परिवहन के भारी भरकम खर्चे से परेशान काश्तकारों ने फसल की तुड़ान बंद कर फसल को खेतों में ही लावारिस हालत में छोड़ दिया है। काश्तकारों ने सरकार ने टमाटर की फसल का उचित समर्थन मूल्य और बाजार की व्यवस्था करने की मांग उठाई है। काश्तकारों के सामने पहली बार इस तरह की स्थिति उत्पन्न हुई है जब मेहनत से तैयार फसल की तुड़ान बंद कर फसल को खेतों में ही लावारिस हालत में छोड़ना पड़ा हो। रवांई घाटी में करीब पचीस हजार मीट्रिक टन टमाटर का उत्पादन होता है जो क्षेत्र के काश्तकारों की आजीविका का प्रमुख साधन है। टमाटर की फसल पर बीज, खाद, दवाई, मजदूरी, सिंचाई और ढुलान पर भारी भरकम खर्चा होता है। मंडी में उचित दाम न मिलने से काश्तकार फसल को मंडी तक पहुंचाने का खर्चा भी नहीं निकाल पा रहे है। मजबूरन काश्तकार खेतों में तैयार टमाटर की फसल की तुड़ाई नहीं कर रहे हैं,

विद्यार्थियों ने अपनी माता के साथ किया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में हर गांव एक पैगाम-एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस दौरान ग्रामीणों को भी अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए जागरूक किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत विद्यालय से जुड़े रणस्वा, धरासू, पालकोट, मरड़ा, बुरसोली, मैंणा, पिलखेरा, सगोड़ा, कांडई, ढंगसोली, कुलोड़ीधार और खेतरपाल गांवों में छात्र-छात्राओं ने अपनी माताओं के साथ घरों और आंगनों में पौधे रोपे। उन्होंने बताया कि पहले चरण में जुलाई माह के दौरान 130 पौधों का रोपण किया जा चुका है, जबकि दूसरे चरण में अगस्त माह में प्रत्येक विद्यार्थी अपनी मां के सम्मान में एक और पौधा लगाएगा तथा उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी स्वयं निभाएगा। प्रधानाचार्य ने बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक विद्यार्थी को दो पौधे लगाने का

लक्ष्य दिया गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ मां के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने के साथ समाज को पर्यावरण संरक्षण का सकारात्मक संदेश भी दे रहा है।

गढ़वाल विवि में पीएचडी में प्रवेश के लिए साक्षात्कार की तिथियां घोषित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 12 जुलाई 2026 को आयोजित पीएचडी में प्रवेश के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विवि की ओर से 24 जुलाई को प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों के साक्षात्कार विभागवार आयोजित होंगे। गढ़वाल केंद्रीय विवि के परिसरों सहित संबद्ध कॉलेजों में करीब 50 से अधिक विभागों में साढ़े चार सौ से अधिक पीएचडी सीटों पर प्रवेश होंगे। संबंधित विभागों की ओर से ही इसके लिए साक्षात्कार व प्रवेश की प्रक्रिया संपन्न की जानी हैं। कुछ विभागों की ओर से साक्षात्कार की तिथियां भी घोषित कर दी गई हैं। विवि के प्रवेश परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रीतम सिंह नेगी का कहना है कि पीएचडी प्रवेश अधिसूचनाओं के अनुसार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट), ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट), ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपैट), कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन फॉर डिजाइन (सीड), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर नेट), डीएसटी इंस्पायर फेलोशिप के वैध प्रमाणपत्र के आधार पर प्रवेश परीक्षा से छूट है। ऐसे अभ्यर्थी भी साक्षात्कार में शामिल होंगे।

डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क

पांच अस्पतालों में एलाइजा जांच एवं 16 डेडिकेटेड बेड की व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों के क्रम में जनपद रुद्रप्रयाग का स्वास्थ्य विभाग डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय है। मानसून के दौरान डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं। विभाग ने जनपद भर में सोर्स रिडक्शन अभियान प्रारंभ कर दिया है, जिसके तहत मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने, जल भराव वाले स्थानों की पहचान करने तथा लोगों को जागरूक करने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने बताया कि डेंगू की समय पर पहचान एवं प्रभावी उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग सहित सीएचसी अगस्त्यमुनि, सीएचसी जखोली, पीएचसी ऊखीमठ सहित कुल पांच अस्पतालों में एलाइजा जांच की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा आवश्यक दवाओं, जांच किटों और चिकित्सा उपकरणों से पर्याप्त रूप से सुसज्जित रखा गया है। उन्होंने बताया कि डेंगू के संभावित मरीजों के उपचार के लिए जनपद में 16 डेडिकेटेड बेड आरक्षित किए गए हैं। सभी चिकित्सा इकाइयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं तथा चिकित्सा कर्मियों को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है। डॉ. पारुल गोयल ने बताया कि वर्तमान समय तक जनपद में डेंगू का एक भी पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, फिर भी स्वास्थ्य विभाग पूरी सतर्कता के साथ लगातार निगरानी बनाए हुए है।

अब घर बैठे बनवाएं नया राशन कार्ड, सभी सेवाएं हुईं ऑनलाइन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और डिजिटल बनाने के लिए जिला पूर्ति विभाग ने राशन कार्ड से जुड़ी सभी प्रमुख सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया है। अब नागरिकों को नए राशन कार्ड के लिए आवेदन, परिवार के सदस्य का नाम जोड़ने-हटाने और राशन कार्ड स्थानांतरण जैसे कामों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जिला पूर्ति विभाग के अनुसार, राज्य सरकार की 'स्मार्ट पीडीएस योजना' के तहत यह सुविधा शुरू की गई है। आवेदक पोर्टल पर सिटीजन लॉगिन के जरिए घर बैठे ही आवेदन कर सकते हैं। पोर्टल पर नए राशन कार्ड के लिए आवेदन के साथ-साथ कार्ड में संशोधन की सुविधा भी उपलब्ध है। जिला पूर्ति अधिकारी के.एस. कोहली ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को समय पर सरकारी खाद्यान्न का लाभ दिलाना है। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रक्रिया से काम तेज होंगे, पारदर्शिता

बढ़ेगी और लोगों को सुविधा मिलेगी। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन सभी सेवाओं का लाभ ऑनलाइन ही उठाएं। किसी समस्या या सहायता के लिए ग्रामीण क्षेत्र के लोग ग्राम पंचायत विकास अधिकारी कार्यालय और शहरी क्षेत्र के लोग जिला पूर्ति अधिकारी या संबंधित पूर्ति निरीक्षक कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। इस पहल से प्रक्रिया अब अधिक सरल, समयबद्ध और पारदर्शी होने की उम्मीद है।

पंचायत प्रतिनिधियों का विकासखंड कार्यालय पर धरना

चिन्यालीसौड़। पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल शुरू हुए एक वर्ष बीतने के बाद भी ग्राम पंचायतों में रोजगारपरक योजनाओं के कार्य शुरू न होने से नाराज जनप्रतिनिधियों ने सोमवार को विकासखंड कार्यालय में एक दिवसीय धरना—प्रदर्शन किया। पंचायत प्रतिनिधियों ने वीबी रामजी योजना के तहत तैयार कार्ययोजना पर जल्द कार्यादेश जारी करने की मांग उठाई। विकासखंड के ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों और जिला पंचायत सदस्यों ने कहा कि वीबी रामजी योजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की कार्ययोजना एक माह पूर्व जिला विकास अधिकारी कार्यालय को भेजी जा चुकी है,

ग्राम खैनूरी की क्षतिग्रस्त सड़क का मुख्यमंत्री ने लिया तत्काल संज्ञान

अधिकारियों को शीघ्र आवागमन सुचारु करने के निर्देश, आपदा से सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण लगभग 120 परिवारों की आवाजाही प्रभावित

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जनपद के दशोली विकासखंड अंतर्गत ग्राम खैनूरी को जोड़ने वाली सड़क के आपदा के कारण क्षतिग्रस्त होने का तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी चमोली सहित संबंधित विभागीय अधिकारियों को सड़क को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दुरुस्त कर आवागमन सुचारु करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। शासन-प्रशासन का दायित्व है कि आमजन से प्राप्त समस्याओं पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए समाधान के लिए धरातल पर प्रभावी कार्रवाई दिखाई दे।

ग्राम खैनूरी के ग्रामीणों ने दूरभाष के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से वार्ता कर गांव को जोड़ने वाली सड़क की वर्तमान स्थिति से उन्हें अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि आपदा के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे गांव के लगभग 120 परिवारों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़क को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त करते हुए ग्रामीणों के लिए सुरक्षित एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को मौके की स्थिति का आंकलन कर आवश्यकतानुसार सभी जरूरी कदम उठाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध और प्रभावी समाधान राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, विद्युत एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की बहाली के कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनसुविधाओं को शीघ्र बहाल करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा के कारण प्रभावित क्षेत्रों में जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से प्राप्त शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन को शीघ्र पटरी पर लाना सरकार की प्राथमिकता है।

रैली निकालकर किया अंगदान के प्रति जागरूक

श्रीनगर गढ़वाल : विश्व आर्गन डोनेशन डे के अवसर पर मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर में सोमवार को अंगदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्रों, चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रतिभाग किया। रैली के उपरांत एमबीबीएस छात्रों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से अंगदान के महत्व, मानव जीवन में इसकी उपयोगिता और मृत्यु के बाद भी कई लोगों को नया जीवन देने की प्रेरणा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। (एजेंसी)

कांडा-खतवाड़ योजना से सुचारू हुई पेयजल आपूर्ति

कीर्तिनगर : लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त हुई कांडा-खतवाड़ पेयजल योजना की मरम्मत के बाद चार दिन से बंद पेयजल आपूर्ति रविवार को सुचारु हो गई। साथ ही लोस्तु बडियारगढ़ क्षेत्र के कांडा सहित कई गांवों में पेयजल आपूर्ति बहाल हो गई है।

बारिश के कारण योजना की पाइपलाइन और अन्य ढांचा क्षतिग्रस्त होने से कांडा, मालगढ़ी, कौल्याधार, चोपड़ा, तुसकंड़ी, सुपार और डांडा समेत कई गांवों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई थी। इस दौरान ग्रामीणों को प्राकृतिक जलस्रोतों से पानी ढोकर अपनी दैनिक जरूरतें पूरी करनी पड़ीं।

बारिश के चलते जलस्रोतों तक पहुंचने वाले रास्ते भी क्षतिग्रस्त होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जल संस्थान की टीम की कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति बहाल कर दी है। जलापूर्ति शुरू होने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है। उन्होंने विभाग की ओर से किए गए मरम्मत कार्य की सराहना की। ग्रामीणों ने मांग की कि बरसात के मौसम में पेयजल योजनाओं की नियमित निगरानी और त्वरित मरम्मत की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। (एजेंसी)

अत्याधुनिक डिजिटल अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल श्रीकोट गंगानाली में सोमवार से अत्याधुनिक डिजिटल अल्ट्रासाउंड (यूएसजी) सेवा का शुभारंभ कर दिया गया। इस नई सुविधा के शुरू होने से अब मरीजों को सभी प्रकार की अल्ट्रासाउंड जांच अस्पताल में ही सरकारी निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध होगी। अल्ट्रासाउंड कक्ष का उद्घाटन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एएन पांडेय और नवनियुक्त रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विनिता आर्य ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि डिजिटल अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू होने से मरीजों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि ओपीडी से आने वाले प्रत्येक मरीज का अल्ट्रासाउंड अस्पताल में ही सरकारी दरों के अनुसार किया जाएगा। एक और रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति होने से अब अस्पताल में मरीजों को दो-दो रेडियोलॉजिस्ट की सेवाएं मिलेंगी।

नवनियुक्त रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विनिता आर्य ने बताया कि अस्पताल में अब सामान्य से लेकर विशेष प्रकार की सभी अल्ट्रासाउंड जांचें की जाएंगी।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का भारत दौरा

भारतीय मूल के नील पटेल को 16 सदस्यीय टीम में मिली जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारत दौरे के लिए 16 सदस्यीय अंडर-19 पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारतीय मूल के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी नील पटेल को भी शामिल किया गया है। यह टीम भारत के खिलाफ राजकोट और अहमदाबाद में पांच मैचों की मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले नील पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब से खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के उभरते युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है।

- **राजकोट और अहमदाबाद में खेले जाएंगे मैच** - यह दौरा चार सप्ताह तक चलेगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ तीन 50-ओवर के मैच और दो चार-दिवसीय मैच खेलेगी।ये मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 के बीच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। इस टीम का चयन यूथ नेशनल सिलेक्शन पैनल ने किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है।
- **टिम नील्सन होंगे हेड कोच** - ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच पूर्व क्रिकेटर टिम नील्सन होंगे। नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नेशनल डेवलपमेंट हेड सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह दौरा युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों की तकनीकी और मानसिक क्षमता का परीक्षण होगा।टीम नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं।
- **ऑस्ट्रेलियाई टीम में ये खिलाड़ी शामिल** - टीम में केसी बार्टन (तस्मानिया), हेडन बारबुलोविक (साउथ ऑस्ट्रेलिया), एली ब्रेन (क्वींसलैंड), विल बायरोम (न्यू साउथ वेल्स), ब्लेक कैटल (न्यू साउथ वेल्स), जैक जोस्नेक (विक्टोरिया), स्पेंसर ग्रीन (क्वींसलैंड), कॉनर ग्रेगरी (साउथ ऑस्ट्रेलिया), चार्ली हेंडरसन (क्वींसलैंड), जेड होलिक (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), मैथ्यू लॉफ (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), नील पटेल (न्यू साउथ वेल्स), जैकब पिट्ज (विक्टोरिया), पैट्रिक सुलिवन (विक्टोरिया), थियो त्सिंगोस (क्वींसलैंड) और थॉमस वासेओ (क्वींसलैंड) शामिल हैं।

टीम इंडिया की बढ़ती चोटों पर बीसीसीआई सख्त

सपोर्ट स्टाफ और हेड फिजियो की होगी समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट टीम में लगातार बढ़ रही खिलाड़ियों की चोटों ने अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंका टेस्ट सीरीज के बाद बोर्ड टीम इंडिया के मेडिकल और सपोर्ट स्टाफ की समीक्षा करेगा। खासतौर पर हेड फिजियो कमलेश जैन की भूमिका जांच के दायरे में है। कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी खिलाड़ियों की लगातार चोटों से संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं।

लगातार चोटों ने बढ़ाई बीसीसीआई की चिंता- हाल के महीनों में टीम इंडिया के कई अहम खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। इससे पहले हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी चोट के चलते दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।वहीं स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर हैं और दूसरे टेस्ट में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। लगातार बढ़ती इन चोटों ने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बाय-बाय ग्लास्गो 2026

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी, सौंपी मिशाल

नीरज, पीटी ऊषा को ध्वज मिला, क्लोजिंग सेरेमनी में शंकर महादेवन, मानुषी छिल्लर की शानदार प्रस्तुति ग्लास्गो (स्कॉटलैंड): 11 दिनों तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रविवार को रंगारंग समाप्ति हो गई। इस इवेंट में भारत ने 39 मेडल के साथ ओवरऑल मेडल स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल किया. बता दें, नई बॉक्सिंग चैंपियन बनी जैस्मिन लैम्बोरिया को क्लोजिंग सेरेमनी के लिए देश का फ्लैग-बेयरर बनाया गया।

जानकारी के मुताबिक अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2030) का शताब्दी संस्करण बनाया जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत को सौंपी गई है. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे. क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स के आधिकारिक ध्वज और बैटन भारत को सौंपे गए हैं. इस दौरान भारत की तरफ से ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संग की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सिंघवी मौजूद रहे।

भारत ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 122 खिलाड़ियों के ग्रुप से 13 गोल्ड, 17 ??सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज मेडल जीते. यह चार साल पहले बर्मिंघम में मिली चौथी जगह की बराबरी है, जबकि इस बार उसने एक बहुत छोटे प्रोग्राम में हिस्सा लिया था, जिसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें देश पारंपरिक रूप से मेडल जीतता है. भारत के मेडल की संख्या 2022 में बर्मिंघम में जीते गए 61 मेडल से कम थी, लेकिन हालात कुछ और ही कहानी बताते हैं. उनमें से तीस मेडल ऐसे खेलों में आए थे, जिन्हें ग्लासगो प्रोग्राम से हटा दिया गया था।

चार साल पहले 210 की तुलना में सिर्फ 122 एथलीट के साथ, भारत फिर भी अपना चौथा स्थान बनाए रखने में कामयाब रहा, जबकि मेडल कन्वर्जन रेट और भी बेहतर रहा, जिसमें 38 एथलीट मेडल के साथ घर लौटे. लंबी दूरी के रनर गुलवीर सिंह दो मेडल जीतने वाले अकेले भारतीय थे. ऑस्ट्रेलिया ने 70 गोल्ड मेडल समेत कुल 171 मेडल जीतकर गेम्स में अपना दबदबा बनाया, जबकि इंग्लैंड 110 मेडल के साथ दूसरे और कनाडा 62 मेडल के साथ तीसरे नंबर पर रहा. भारत 39 मेडल के साथ मेजबान स्कॉटलैंड के बराबर रहा, लेकिन ज्यादा गोल्ड मेडल जीतने की वजह से चौथे नंबर पर रहा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रंगारंग समाप्ति

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे, जिससे ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरा ऐसा देश बन जाएगा जिसने एक से ज्यादा बार इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट की मेजबानी की है। भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में ये गेम्स होस्ट किए थे. क्लोजिंग सेरेमनी स्कॉटलैंड की रिच कल्चरल हेरिटेज के सेलिब्रेशन के साथ शुरू हुई, जिसके बाद भारत की कल्चरल डायवर्सिटी और सदियों पुरानी परंपराओं का एक रंगीन शोकेस हुआ।

सेरेमनी की एक खास बात एक अनोखा इंडो-स्कॉटिश कल्चरल कोलैबोरेशन था, जिसमें दोनों देशों के म्यूजद्धशियन और डांसर एक जबरदस्त 'जुगलबंदी' के लिए एक साथ आए, जो ग्लासगो से अहमदाबाद बैटन के ट्रांसफर का प्रतीक था. सेरेमोनियल हैंडओवर पूरा होने के साथ, अब फोकस अहमदाबाद पर है, जो 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के सौवें एडिशन को होस्ट करेगा।

आकिब नबी पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में

बुमराह की जगह श्रीलंका दौरे पर जाएंगे, टीम इंडिया में आने वाले जम्मू-कश्मीर के तीसरे प्लेयर

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। नबी टीम इंडिया में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

जसप्रीत बुमराह रविवार को टीम इंडिया से बाहर हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे घुटने की चोट से नहीं उबर पाए हैं। टीम मैनेजमेंट और बीसीसीआई ने उनके लंबे करियर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया है।

नबी टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के पहले क्रिकेटर - 23 साल के आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था। अब उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिला है। वे टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी20 टीम में मौका मिला है।

दो रणजी सीजन में कुल 104 विकेट चटकाए - 29 साल आकिब ने 2025-26 रणजी ट्रॉफी में मात्र 10 मैचों में 60 विकेट लिए, जिनमें सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। पिछले दो रणजी सीजन में आकिब नबी ने कुल 104 विकेट लिए हैं। इनमें 2025-26 में 60 और पिछले सीजन में 44 विकेट शामिल हैं। इन आंकड़ों ने आकिब नबी का लाल गेंद क्रिकेट में देश के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शुमार कर दिया है।आकिब का नाकआउट मुकाबलों में प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा। आकिब ने क्वार्टरफाइनल में मध्य प्रदेश, सेमीफाइनल में बंगाल और फाइनल में कर्नाटक के विरुद्ध निर्णायक गेंदबाजी की। इन प्रदर्शनों ने न केवल जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया बल्कि दबाव में उनके धैर्य को भी प्रदर्शित किया। बीसीसीआई ने टीम में बदलाव की पुष्टि की है। हालांकि, बोर्ड ने बुमराह को टीम से बाहर करने या आकिब नबी को शामिल करने का कारण नहीं बताया है।

हाल ही में इंडिया ए के साथ श्रीलंका दौरे पर थे नबी - आकिब नबी हाल ही में इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज ने पहले दिन बनाए 239/5

ग्रीव्स-चेज की नाबाद साझेदारी, पाकिस्तान के स्पिनर्स को मिली सफलता, पेसर्स रहे बेअसर

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे। उनके साथ कप्तान रोस्टन चेज भी क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी हो चुकी है। पाकिस्तान की ओर से स्पिनरों ने शुरुआती सफलता दिलाई, लेकिन निचले क्रम ने टीम की वापसी नहीं होने दी।

अब्बास को बाहर रखने पर उठे सवाल, ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत - मैच से पहले पाकिस्तान ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने इसका फायदा उठाते हुए 9.5 ओवर में 49 रन जोड़ दिए। हालांकि, बारिश से पहले आखिरी गेंद पर मोहम्मद अली ने तागेनरायन चंद्रपॉल को फाइन लेग पर कैच कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

बारिश के बाद स्पिनर्स ने बदला मैच का रुख - बारिश के बाद पिच से स्पिनरों को मदद मिलने लगी। कप्तान बाबर आजम ने अली उस्मान और साजिद खान को आक्रमण पर लगाया।अली उस्मान ने ब्रैंडन किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद साजिद खान ने कावेम हॉज को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। दोनों फैसलों में पाकिस्तान ने सफल डीआरएस लिया। किंग ने 46 रन बनाए।

उबेद शाह को मिला पहला टेस्ट विकेट - शाई होप और अमिर जांगू ने चौथे विकेट के लिए तेजी से रन जोड़े और पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा। होप ने कवर के ऊपर शानदार छक्का भी लगाया।इसके बाद डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज उबेद शाह ने अमिर जांगू को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराकर टेस्ट क्रिकेट का पहला विकेट लिया। हालांकि, वह पूरे दिन महंगे साबित हुए।

ग्रीव्स और चेज ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर फेरा पानी - चायकाल के बाद मोहम्मद अली ने शाई होप को बोल्ड कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद लगा कि पाकिस्तान जल्द पारी समेट सकता है, लेकिन जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज ने संभलकर बल्लेबाजी की।

ग्रीव्स ने शानदार अर्धशतक लगाया और चेज के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम का स्कोर 239/5 तक पहुंचाया। पहले दो सत्र में असरदार दिखे पाकिस्तान के स्पिनर्स दिन के अंत तक पिच से कम मदद मिलने के कारण ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

धवन के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया

लुसाका, ज़ाम्बिया (एजेंसी)। एशियन लीजेंड्स लीग में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में इंडियन रॉयल्स ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को दो विकेट से हरा दिया। 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 17.3 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए और रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के सबसे बड़े हीरो ऋषि धवन रहे, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने बनाए 167 रन - टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान पैंथर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 167 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर लगाम लगाई, जिससे पाकिस्तान बड़ा स्कोर नहीं बना सका। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 168 रन का लक्ष्य था।

44 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद संकट में फंसी भारतीय टीम - लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद इरफान ने नमन ओझा (4) को जल्दी पवेलियन भेज दिया। अभिषेक जलोटा ने 19 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

30 अगस्त से शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग शुरू

मोहाली में खेलते दिखेंगे शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह, 6 टीमों के बीच होंगे 27 मुकाबले

मोहाली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह समेत कई स्टार क्रिकेटर अब इसी महीने मोहाली के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलते नजर आएंगे। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का रविवार को भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा।

पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह महिता ने लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

9 अगस्त को होगी खिलाड़ियों की नीलामी- टूर्नामेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। क्रिकेट प्रेमियों को शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, गुरनूर बराड़ और रमनदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों की नीलामी 9 अगस्त को होगी।

छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी - लीग में अमृतसर, फाजिल्का, जालंधर, लुधियाना, मोहाली और बठिंडा की छह फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास 45 लाख रुपए का पर्स होगा और वह अधिकतम 20 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल कर सकेगी। मार्की खिलाड़ी की कीमत 10 लाख रुपए तय की गई है, जबकि आइकन खिलाड़ी की बेस प्राइस 1.50 लाख रुपए रखी गई है।

प्रथम श्रेणी, अंडर-23, अंडर-19 और जिला स्तर के खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग बेस प्राइस निर्धारित की गई है। पीसीए सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि यह लीग मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

इसका उद्देश्य पंजाब के घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और पेशेवर माहौल में सीखने का अवसर देना है। कार्यक्रम के दौरान टूर्नामेंट का आधिकारिक लोगो लॉन्च किया गया। इस अवसर पर पीसीए के पदाधिकारियों ने फ्रेंचाइजी मालिकों और प्रमुख क्रिकेटरों को सम्मानित भी किया।

तीसरा गोल्ड जीतने वाली मीराबाई चानू ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात, भेंट की साइन की हुई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान मीराबाई और भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने रिजिजू को पूरी भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो में शानदार जीत के बाद स्वागत है मीराबाई चानू। आपने एक बार फिर वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। सभी वेटलिफ्टरों के हस्ताक्षर वाली

टी-शर्ट भेंट करने के लिए धन्यवाद।

मीराबाई ने रचा इतिहास - टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाया, जबकि क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम वजन उठाकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने का कारनामा किया।

चौथा सीडब्लयूजी पदक, लगातार तीसरा गोल्ड - मीराबाई के करियर का यह चौथा कॉमनवेल्थ गेम्स पदक है। उन्होंने 2014 ग्लासगो खेलों में रजत पदक जीता था, जबकि 2018 गोल्ड कोस्ट, 2022 बर्मिंघम और अब 2026 ग्लासगो में लगातार तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन गोल्ड जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर भी बन गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत - ग्लासगो से लौटने के बाद रविवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीराबाई चानू का जोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में प्रशंसक, परिवार के सदस्य और समर्थक उनका स्वागत करने पहुंचे।